n वर्ष : 10 अंक : 134 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शुक्रवार 06 जून, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 2 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

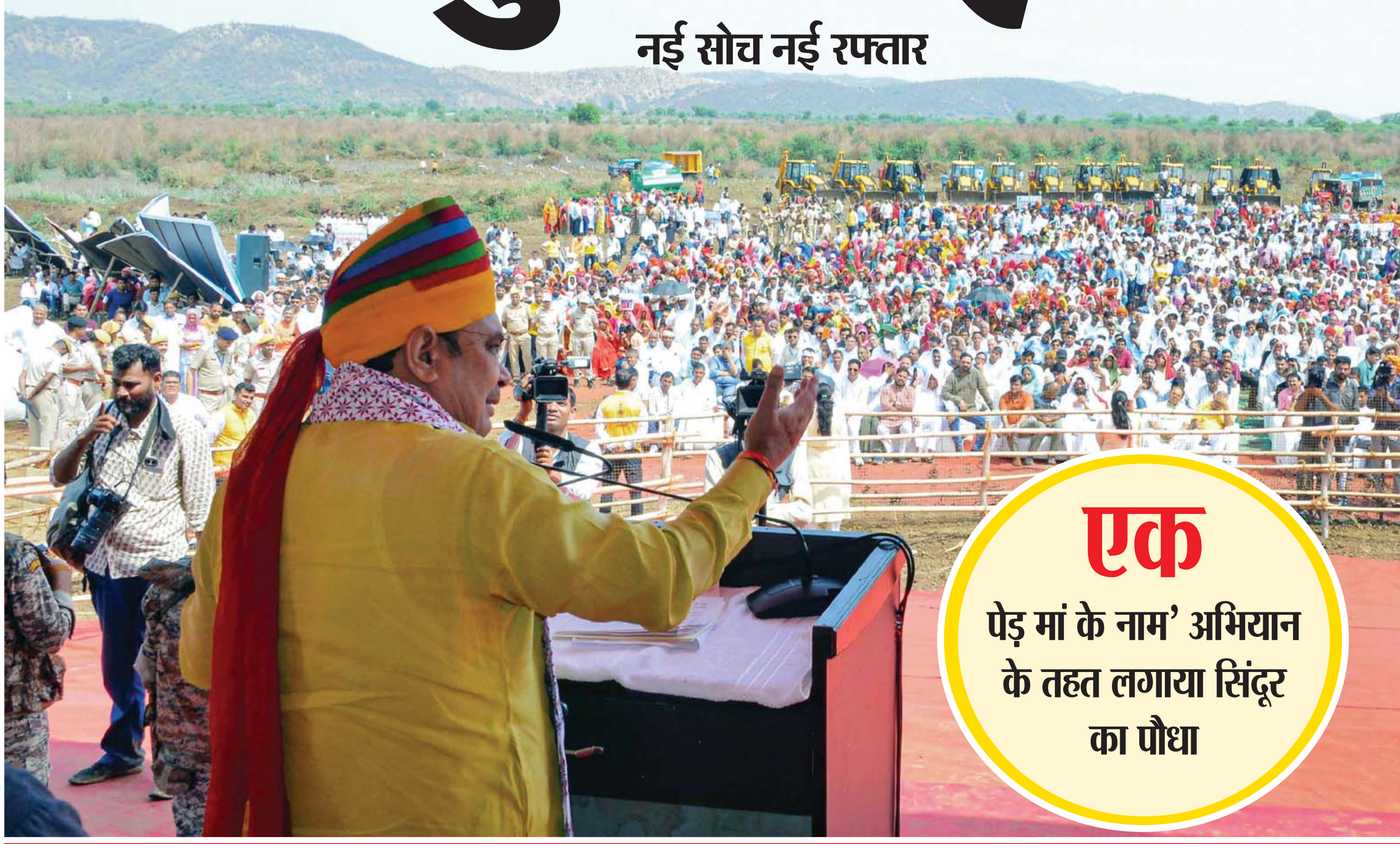

एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लगाया सिंदूर का पौधा

राजस्थान को पानी में आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता: भजनलाल

राजस्थान में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरूआत

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री ने किया श्रमदान

जयपुर टाइम्स/जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल ही जीवन है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम प्रकृति का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि गुरूवार से शुरू हो रहे वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत प्रदेशभर में जल संचयन व पर्यावरण संरक्षण के तहत विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि जन सहभागिता को बढ़ावा देते हुए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में ज्यादा से ज्यादा श्रमदान करें। परंपरागत जलस्त्रोतों को स्वच्छ बनाएं जिससे वर्षा जल का संचयन हो। शर्मा गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जयपुर के रामगढ़ में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सब रामगढ़ बांध को एक बार फिर जल से परिपूर्ण करने के लिए श्रमदान करने के लिए एकत्रित हुए हैं। हमारी ओर से बहाई गई पसीने की एक-एक बूंद भविष्य में यहां पानी के बड़े भंडार में बदलकर प्रदेशवासियों के लिए अमृत का काम करेगी।

प्रधानमंत्री ने की सामाजिक सरोकारों के कामों की अभिनव पहल

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक सरोकार के अनेक काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का अभियान बनाया। साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिका लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। मोदी ने देशभर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया जिससे आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई। इस अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार की ओर से पिछले वर्ष मानसून सीजन में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। आगामी वर्षा काल में हम 10 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। श्री शर्मा ने आमजन से आह्वान किया कि इस अभियान के तहत सभी कम से कम एक पेड़ लगाएं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को गति मिले।

प्रदेश में पानी की आपूर्ति के लिए उठाए महत्वपूर्ण कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों व पानी की आवश्यकता को समझते हुए हमारी सरकार ने डेढ साल में जलापूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिए हैं। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन और पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सतही जल कम होने के कारण भूजल पर दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में परंपरागत जल स्रोतों को साफ-सुथरा रखकर और नए जल स्रोतों का निर्माण कर हम पानी की लगातार बढ़ती जरूरत को पूरा कर सकते हैं। इसी क्रम में हमने इस साल जनवरी में 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान शुरू किया। प्रवासी राजस्थानी के माध्यम से प्रदेश में प्रत्येक जिले में जल संरक्षण संरचनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाएगा और भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा। इस अवसर पर जमवारामगढ़ के विधायक महेन्द्र पाल मीणा ने गंगा नदी के जल का कलश मुख्यमंत्री को भेंट किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान किया। इससे पहले उन्होंने गंगा दशहरा के अवसर पर जलेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक-पूजा अर्चना भी की। इस अवसर पर महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर लोकगीत गाते हुए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, वन व पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सांसद राव राजेन्द्र सिंह, डॉ. मंजू शर्मा, विधायक बालमुकुंदाचार्य, कुलदीप धनखड़, कैलाश वर्मा, मनीष यादव, अमीन कागजी, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी व आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने लगाया सिंदूर का पौधा

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जमवारामगढ़ में सिंदूर का पौधा लगाया। इस दौरान वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने तुलसी का पौधा भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि व पर्यावरणविद् उपस्थित रहे।

जल संचयन के कार्यों में जनमानस दें अपना योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि वृहद स्तर पर जनमानस को जोड़ते हुए जल संग्रहण कार्य के लिए राज्य सरकार की ओर'से वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' शुरू किया गया है। यह अभियान प्रदेशवासियों का अपना अभियान है व इसमें सभी की सहभागिता बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गंगा दशमी के दिन अपने आसपास के जल स्रोतों, नदियों, जल धाराओं और तालाबों की पूजा-अर्चना करें और इनके संरक्षण में बढ़-चढ़कर योगदान दें।

सीएम भजनलाल ने दी उदयपुर को सौगात

नगर वन माछला मगरा का वर्चुअल लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर गुरूवार को उदयपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर वन माछला मगरा परिसर में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व व उपनिवेशन मंत्री, उदयपुर प्रभारी मंत्री हेमन्त मीणा रहे। खान व पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव और जिले के प्रभारी सचिव टी रविकान्त, सांसद डॉ मन्नालाल रावत, उदयपुर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, जिला कलक्टर नमित मेहता भी बतौर आतिथ्य उपस्थित रहे। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत आयोजित इस समारोह में जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने उदयपुर में नवनिर्मित नगर वन माछला मागरा सहित प्रदेश भर में हुए विकास कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण किया। शहर से सटे इस नगर वन का लोकार्पण होने से पर्यावरण प्रेमियों सहित शहरवासियों को प्राकृतिक वातावरण व जैव विविधता से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री मीणा सहित अन्य अतिथियों ने नगर वन की लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया। साथ ही बच्चों को तुलसी के पौधे वितरित करते हुए पर्यावरण संरक्षण में सक्रियता के लिए प्रेरित किया। प्रभारी मंत्री सहित सभी अतिथियों ने पौधरोपण भी किया।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव समारोह

हमें अपने इतिहास से जुड़ना होगा: दिया कुमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश की उप मुख्यमंत्री सीएम दिया कुमारी ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव के समापन समारोह को संबोधित किया। ब्यावर के आशापुरा माता धाम में आयोजित कार्यक्रम में गंगा दशहरा, विश्व पर्यावरण दिवस और सामूहिक विवाह सम्मेलन का भी संयोजन किया गया, जिसकी दिया कुमारी ने तारीफ की। उन्होंने पृथ्वीराज चौहान को भारतीय स्वाभिमान का प्रतीक बताते हुए कहा कि पृथ्वीराज केवल एक योद्धा नहीं थे, बल्कि वे भारतीय आत्मसम्मान के जीवंत प्रतीक थे। साथ ही कहा कि हमें अपने इतिहास से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि 'पृथ्वीराज रासो' की वीरगाथाएं आज भी गर्व से सिर ऊंचा कर देती हैं। डिप्टी सीएम ने समाज के सभी वर्गों से सरकार के साथ चलने की अपील की। दिया कुमारी ने ऑपरेशन सिन्दूर का उल्लेख करते हुए इसे बेटियों की सुरक्षा और गौरव का प्रतीक बताया। साथ ही महिलाओं के लिए 33% आरक्षण, चिकित्सा सुविधाओं में विस्तार, गोमती-ब्यावर रोड, रेलवे ठहराव, स्टेशन आधुनिकीकरण और आर्मी कैंटीन एक्सटेंशन जैसी परियोजनाओं का हवाला दिया। सामूहिक विवाह सम्मेलन में नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए दिया कुमारी ने कहा कि कम खर्च में विवाह संस्कार आज की सामाजिक आवश्यकता है। इसके अलावा, पीपल का पौधा लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस का प्रतीकात्मक संदेश भी दिया गया। समारोह में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल समेत कई संगठन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इसमें सुधांशु पटनायक (केंद्रीय मंत्री, विश्व हिंदू परिषद), उमाशंकर शर्मा (केंद्रीय मंत्री, विश्व हिंदू परिषद), राजाराम जी (क्षेत्रीय संगठन मंत्री, विहिप राजस्थान), महिमा कुमारी (सांसद, राजसमंद), विधायक शंकर सिंह रावत (ब्यावर), विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत (मसूदा) समेत कई प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
6 जून, 2025

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले के चिकित्सा संस्थानों में हुआ पौधरोपण

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनजागरूकता बढाने एवं एक पेड मां के नाम अभियान तहत हरित आवरण बढाने की दिशा में जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों पर सामुहिक रूप से पौधारोपण का कार्यकम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर यह एक पहल केवल एक दिन की नहीं बल्कि सतत प्रयास की शुरूआत है। हर संस्था को अपने परिसर में लगाये गये पौधों की देखरेख कर उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करना भी विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में महिला स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र अलवर में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत जिला प्रजनन एंव शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मन्जू शर्मा के निर्देशन में 15 फलदार वृक्ष लगाये गयें तथा साथ ही उनकी देख-रेख का जिम्मा महिला स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र अलवर की दो-दो छात्राओं को सौपा गया। इस अवसर पर सुरेन्द्र सिंह नर्सिंग अधीक्षक, रोशन लाल सैनी नर्सिंग ट्युटर, अनिल कुमार सुरेला एस.एन.ओ., कपिल खैरिया एन.टी., रोहित कुमावत एंव महिला स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र अलवर पर अध्ययनरत छात्राओं द्वारा उपस्थित रहकर योगदान दिया गया।

वंदे गंगाजल अभियान से गूंजा स्वच्छता और विकास का संदेश

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निसं.) विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव के नेतृत्व में वृंदावन भोजाला (जोधपुर) में "वंदे गंगाजल संरक्षण जन अभियान" के तहत विशेष स्वच्छता और जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण, साफ-सफाई और जनभागीदारी को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक जल स्रोतों की मरम्मत व सफाई से हुई, इसके बाद दीप प्रज्वलन कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया अमृत 2.0 योजना के तहत महिला स्व-सहायता समूहों ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई, जबकि शहरी रोजगार योजना के अंतर्गत पौधारोपण की तैयारी शुरू की गई। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित अन्य महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। इस दौरान लोगों ने गंगाजल संरक्षण का संकल्प लिया और जल बचाने की शपथ ली इस दौरान बस्तीराम यादव प्रधान प्रतिनिधि बहरोड, एसडीएम बहरोड, प्रशान्त यादव मण्डल अध्यक्ष बहरोड, शिवचरण गुरूजी, देवेन्द्र, रामनरेश पार्षद, जयप्रकाश झाबर, संजय शर्मा, संजय मीर, सुभाष यादव, चिन्टू पार्षद, कपिल वैद्य एवं पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंगा दशहरे पर्व पर राहगीरों को किया ठण्डाई का वितरण

जयपुर टाइम्स

राजगढ(निसं.) कस्बे सहित आसपास के क्षेत्र में गुरुवार को गंगा दशहरे का पर्व बड़ी श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जगह-जगह मंदिरों में धार्मिक आयोजन हुए। वहीं कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से राहगीरों को ठण्डाई का वितरण किया गया। इससे पूर्व भगवान जगन्नाथ जी महाराज व खाटूश्यामजी को प्रसाद का भोग लगाया गया। इस दौरान महंत मदनमोहन शास्त्री, रोहित शर्मा, अनिता बड़ाया, महेश खण्डेलवाल आदि मौजूद रहे।

रास्ता रोककर रोडवेज बस चालक व परिचालक के साथ की मारपीट

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) टहला पुलिस थाना क्षेत्र के सकट व राजपुर के बीच धाकडों का बास गाँव के समीप बीघोता से अलवर जा रही रोडवेज बस पर हमला कर हमले में चालक, परिचालक व बस में सवार यात्री घायल हो गये। राजस्थान रोडवेज के चालक रत्तीराम यादव पुत्र बालासहाय ने टहला थाने में मामला दर्ज कराया कि सुबह 7 बजे मै तथा परिचालक अवधेश मीना बीघोता से बस को अलवर लेकर जा रहे थे तो सकट राजपुर के पास धाकडा गाँव के पास दो सवारी महिला और बच्चे गाड़ी रुकवा कर बैठे जैसे ही गाड़ी रवाना करने लगे तो बाइक पर दो युवक आए और गाड़ी के आगे लगाकर बोले की यहां गाड़ी क्यों रोकी कहकर गाली गलौज देते हुए चालक साइड फाटक खोलकर नीचे पटक दिया व लात घूसों से मारपीट शुरू कर दी। चालक रत्तीराम यादव ने बताया कि प्रेमचंद और ताराचंद पुत्र सरदार जाती मीणा निवासी राजपुर बड़ा व इनके अन्य परिवार वाले दीपक, सुरेन्द्र पुत्र मेदाराम मीना, मुकेश पुत्र नादान मीना व इनके साथ परिवार की औरत एवं पुरूष लाठी-डंडे लेकर गिरोह बनाकर आये एवं गाड़ी में घुसकर परिचालक व अन्य सवारियों के साथ मारपीट करने लगे। जिसमें सवारी नाथलवाड़ा निवासी राजेश के सिर पर डंडे की मारी जिससे उसके गहरी चोट लग गई। चालक ने टहला थाने में मामला दर्ज कराया।पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान

111 तुलसी के पौधों का वितरण कर, प्रत्येक व्यक्ति से कि पांच पौधे लगाने की अपील

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'जल संरक्षण जन अभियान' से बही जागरूकता की नई बयार

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के पावन अवसर पर खैरथल के सहजमाल पहाड़ी पर स्थित सरोवर पर "वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान" का जिला स्तरीय शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य आमजन को जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्ति एवं पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन के लिए प्रेरित करना रहा ।

सरोवर पूजन कर प्रकृति के प्रति व्यक्त की कृतज्ञता

कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा एवं सरोवर जल पूजन से हुई, जिसमें जिला प्रभारी सचिव शिवांगी स्वर्णकार ने प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। कलश यात्रा नगर परिषद खैरथल से प्रारंभ होकर सहजमाल पार्क सरोवर पर संपन्न हुई, जिसका शुभारंभ जिला कलेक्टर किशोर कुमार एवं सभापति हरीश रोघा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथिगणों ने श्रम दान कर सरोवर की पाल पर हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण किया। तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रमों की श्रृंखला आरंभ हुई, जहां विभिन्न गणमान्य अतिथियों ने जल, पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण के महत्व पर विचार व्यक्त किए। इब्तिदा संस्था द्वारा पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर नाट्य एवं कविता प्रस्तुत की गई जिसकी सराहना उपस्थित सभी अतिथिगणों द्वारा कि गई। नाट्य एवं कविता द्वारा जल संरक्षण का संदेश दिया गया जिसमें आने वाले समय पानी की विकट स्थिति को दर्शाया गया।

जल नहीं होगा तो हमारा कल कैसे होगा?

पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने अपने संबोधन में कहा कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल तत्व है, जिसे पूजनीय भाव से संरक्षित करना हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। रामहेत सिंह यादव ने बताया कि पिछले वर्ष सरकार द्वारा लगभग 7 करोड़ पौधे लगाए गए, और इस वर्ष 10 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक संख्या नहीं, बल्कि धरती को हरा-भरा और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प है, जिसको हम सबको मिलकर अवश्य पूर्ण करना है। जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर ने बताया कि आज का जीवन स्वार्थ तक सीमित रह गया है, इसी कारण जल स्रोतों के आसपास अतिक्रमण, जल अपव्यय और प्रदूषण बढ़ा है। उन्होंने घरों व उद्योगों में वाटर हार्वेस्टिंग संयंत्र लगाने के लिए प्रेरित किया ताकि वर्षा के जल को संचय कर वर्ष भर उपयोग में लिया जा सके।

राजस्थान की संस्कृति सदैव जल संरक्षण की रही

कार्यक्रम में जिला प्रभारी सचिव शिवांगी स्वर्णकार ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति सदैव जल संरक्षण की रही है। आज की पीढ़ी को पारंपरिक जल स्रोतों की रक्षा कर भविष्य के लिए उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने कहा यदि आज हम पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी समझेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि जल पृथ्वी पर सीमित मात्रा में है जिसका हमें सदुपयोग कर भूजल स्तर को बढ़ाने हेतु जल संरक्षण के विभिन्न उपाय करने चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, भाजपा जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, नगर परिषद सभापति हरीश रोघा, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, उपसभापति वरुण डाटा, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक सागर जलाशय की सफाई कर किया श्रमदान

शाम को कपड़ो के थैले किए वितरित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अन्तर्गत नगर निगम की टीम ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, स्थानीय निवासियों और पर्यावरण प्रेमियों के सहयोग से अलवर के ऐतिहासिक सागर जलाशय और कृष्ण कुण्ड जलाशय की श्रमदान कर साफ-सफाई की इस स्वच्छता अभियान के पश्चात् सभी ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्लास्टिक का उपयोग न करने के सम्बन्ध में भी जागरूकता रैली निकाली गई निगम आयुक्त जीतेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि इस अभियान के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा और मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारण्टी योजना के श्रमिकों द्वारा कालाकुँआ और मालवीय नगर क्षेत्र के पार्कों में साफ-सफाई, झाडी कटाई और आगामी हरियालो राजस्थान अभियान के अन्तर्गत पौधारोपण का कार्य भी किया जा रहा है वही नगर निगम की अग्निशमन टीम द्वारा शहर में स्थापित महापुरूषों की प्रतिमाओं की सफाई का कार्य भी किया गया जो कि आगामी दिनों में भी जारी रहेगा। नगर निगम द्वारा बनाये गये वर्षा जल संचयन संरचनाओं की आवश्यक मरम्मत और साफ-सफाई का कार्य भी किया जा रहा है वही शाम को लघु उद्योग भारती के सहयोग से प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कपड़े के थैले के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिये बाजार में कपड़े के थैलों का वितरण किया गया। शाम को सागर जलाशय पर दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर विशेष अभियान

किशनगढ़बास में 6 नमूने लिए गए 22 चालान काटे

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.) विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 7 जून के उपलक्ष्य में खैरथल-तिजारा जिले में चल रहे पांच दिवसीय विशेष अभियान के तहत गुरुवार को किशनगढ़बास कस्बे में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन निरीक्षण व कार्रवाई की गई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण करते हुए मैसर्स सहारा एजुकेशन डेवलपमेंट वेलफेयर सोसाइटी से गेहूं का आटा, लाल मिर्च पाउडर, नमक, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और मिक्स दाल के नमूने लिए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है निरीक्षण के दौरान अन्नपूर्णा रसोई को साफ-सफाई बनाए रखने तथा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही रसोई में मोटे अनाज (मिलेट्स) के अधिक उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की गई इस अभियान के अंतर्गत 31 मई से 14 जून तक चल रहे विश्व तंबाकू निषेध पखवाड़े के तहत भी गुरुवार को किशनगढ़बास में कार्रवाई की गई। सामान्य चिकित्सालय एवं बस स्टैंड क्षेत्र में लगभग 10 प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण कर कोटपा अधिनियम के उल्लंघन पर 14 व्यक्तियों के चालान काटे गए डॉ. गेट ने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक कुल 6 खाद्य नमूने लिए गए हैं तथा 22 चालान काटे गए हैं जिले में यह कार्रवाई 14 जून 2025 तक सतत रूप से जारी रहेगी।

भाजपा और नगरपालिका ने गंगा बाग में किया पौधरोपण

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा मंडल और नगरपालिका राजगढ़ द्वारा गंगा बाग परिसर में सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नगरपालिका अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नरेगा कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गंगा बाग परिसर में स्वच्छता अभियान से हुई, जिसके बाद विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रकाश दीक्षित ने इस अवसर पर कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह सतत प्रयास है, जिसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी आवश्यक है नगरपालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया ने बताया कि गंगा बाग को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना है, जिसमें आगामी महीनों में और भी पौधरोपण एवं सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे ओर बताया की राजगढ़ में सभी श्मशान भूमि पर ग्यारह ग्यारह पौधे लगाए जाएंगे। इस अवसर पर मण्डल के कार्यकर्ताओं एवं पार्षदगणों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नारे और पोस्टर प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की, जिससे स्थानीय नागरिकों में जागरूकता बढ़ी। यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर चल रहे 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 5 जून को जयपुर से शुरू किया था। इस तरह के स्थानीय प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देते हैं, बल्कि समाज में जागरूकता और सहभागिता की भावना भी उत्पन्न करते हैं। इस मौके पर पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, जगदीश आर्यभट्ट, तुलसी शर्मा, लोकेश रावत, रज्जो देवी, लक्ष्मी नारायण सैनी, लोकेश उपाध्याय, भूपेंद्र शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, अलवर द्वारा असिस्टेंट बुककीपर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, अलवर के तत्वावधान पीएनबी कृषक प्रशिक्षण केंद्र, नीमराना परिसर में असिस्टेंट बुककीपर प्रशिक्षण के 38 दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर कोटपुतली-बहरोड़ के अग्रणी जिला प्रबंधक मोहन लाल मीणा, पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, अलवर के निदेशक जे.पी. मीणा, तथा पीएनबी कृषक प्रशिक्षण केंद्र, नीमराना के निदेशक रणजीत कुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं शुभकामनाएं देकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को वित्तीय क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष आयोजन

प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में परिसर में पौधारोपण किया गया। अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने मिलकर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने हेतु एक विशेष रैली का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के अधिकारियों ने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे पर्यावरण की रक्षा हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें और अपने आसपास स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय से विजय कुमार, ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान अलवर के संकाय सदस्य जयप्रकाश सिंघल, कृषि विशेषज्ञ हरिकिशन प्रभात, कंप्यूटर प्रशिक्षक अमन सिंह और अटेंडर दीपक शर्मा उपस्थित रहे।

जल है तो जीवन है, जल एवं पर्यावरण को संरक्षित करना अति आवश्यक है- प्रभारी सचिव गालरिया

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राज्य सरकार द्वारा भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन के लिए 20 जून तक संचालित 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' का शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर वन कटी घाटी एवं राजगढ़ स्थित मानसरोवर तालाब पर आयोजित हुआ। मानसरोवर बांध पर विधिवत जलाशय पूजन कर कलश यात्रा निकाली गई। जिला प्रभारी सचिव एवं नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया ने उपस्थित आमजन को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई एवं पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के तहत जिले में ग्राम स्तर से जिला स्तर तक जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी। जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी सचिव वैभव गालरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की आकांक्षा अनुरूप जल स्रोतों के संरक्षण, सुरक्षित पर्यावरण और हरियाली कवर बढ़ाने की सोच के साथ 20 से अधिक विभागों के समन्वय से वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान को प्रारंभ किया गया है। वहीं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से इस वर्ष हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जल है तो जीवन है, जल एवं पर्यावरण को संरक्षित करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान में जन सहभागिता बढ़ाने के लिए सभी वर्ग एवं उम्र के लोगों को जोड़ें, जिससे पौधों एवं जल स्रोतों के संरक्षण का कार्य अनवरत चलता रहे। कार्यक्रम में संबोधन देते हुए जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अभियान की परिकल्पनानुसार हम वर्षा की एक भी बूंद व्यर्थ ना बहाये, जन भागीदारी की भावना से हम बारिश की एक-एक बूंद का संचयन करें। सभी विभागों के समन्वय से जिले में वर्षा जल संचयन की यह मुहिम वर्षभर अनवरत चलती रहेगी।

जयपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का भव्य शुभारंभ

गंगा दशमी व विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता की अलख

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजधानी जयपुर में विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशमी के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का भव्य शुभारंभ हुआ। गलता तीर्थ स्थित गालव कुण्ड पर गंगा पूजन, गंगा आरती एवं श्रमदान जैसे विविध आयोजन हुए। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने स्वयं श्रमदान कर जल स्रोतों की स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के पहले दिन जिले के सभी उपखंडों में कलश यात्रा, पौधारोपण, जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण, पीपल पूजन व तालाब पूजन जैसे कार्यक्रम आयोजित हुए। सांगानेर में हजारों महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लेकर जल संरक्षण का संदेश दिया, वहीं चौमूं में स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई पर्यावरणीय पेंटिंग्स आकर्षण का केंद्र रहीं। जिला प्रशासन के अनुसार, 5 से 20 जून तक चलने वाले इस अभियान के तहत विभिन्न विभागों द्वारा 56.49 करोड़ की लागत से 1778 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार ने बताया कि गालव ऋषि की तपोभूमि को संवारने के लिए प्रशासन संकल्पबद्ध है। राज्य सरकार की इस पहल को आमजन व जनप्रतिनिधियों का व्यापक समर्थन मिला, जिससे अभियान ने पहले ही दिन जनआंदोलन का रूप ले लिया।

गुलाबी नगरी बनेगी फिर योगमय, नगर निगम ग्रेटर करेगा 30 घंटे का अखंड योग आयोजन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर जयपुर की ओर से 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शहर को एक बार फिर योगमय बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की अध्यक्षता में गुरुवार को नगर निगम मुख्यालय में योग संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में 80 से अधिक योग संस्थाओं ने भाग लिया। महापौर डॉ. गुर्जर ने बताया कि 13 व 14 जून को 30 घंटे का अखंड योग कर नया विश्व कीर्तिमान बनाया जाएगा, जिसमें 100 से अधिक संस्थाएं भाग लेंगी। इसके साथ ही 21 जून को योग दिवस के मुख्य आयोजन से पूर्व शहर के प्रमुख पार्कों – सिटी पार्क, स्मृति वन, बायोडायवर्सिटी पार्क सहित जोन स्तर पर योग शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में योग को प्रकृति और यज्ञ से जोड़ते हुए सूक्ष्म नैनो यज्ञ से शुरुआत की जाएगी। हर शिविर में प्रतिभागियों को पौधे भेंट किए जाएंगे ताकि हर घर-आँगन में योग और पर्यावरण का जुड़ाव हो सके। इसी क्रम में विश्व पर्यावरण दिवस पर महापौर ने निगम मुख्यालय पर करंज और जामुन के पौधे रोपे और उपस्थित योगाचार्यों को पौधे भेंट किए। इस अवसर पर चेयरमैन अर्चना शर्मा, हरीश शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्यपाल ने पौधारोपण किया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को राजभवन में पौधारोपण किया। उन्होंने अमलतास और मौलश्री के पौधे लगाए। उन्होंने मौके पर ही उद्यान विभाग के कार्मिकों को इन पौधों को नियमित पानी देने और इनकी सार संभाल के लिए भी निर्देश दिए।

राजसमंद से 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' का उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने किया भव्य शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

जयपुर/राजसमंद(निसं.)। राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने गुरुवार को राजसमंद में 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' का भव्य शुभारंभ किया। उन्होंने राजसमंद झील के इरिगेशन पाल पर विधिवत पूजा-अर्चना की और जिला स्तरीय समारोह में भाग लिया। इससे पहले प्रभात फेरी व कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। डॉ. बैरवा ने संबोधन में कहा कि राजस्थान में जल संरक्षण की परंपरा सदियों पुरानी है। यहां बावड़ियाँ, तालाब, जोहड़, नाड़ी, खड़ीन जैसे परंपरागत जल स्रोतों ने न सिर्फ जल उपलब्धता सुनिश्चित की है, बल्कि पर्यावरण संतुलन और सामाजिक समरसता को भी बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि "वंदे गंगा" अभियान, इन पारंपरिक प्रणालियों की पुनर्प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान व जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक पानी पहुंचाने और भूजल स्तर बढ़ाने हेतु सतत प्रयासरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ किए "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाने की बात भी कही। अभियान के अंतर्गत रैली, पौधारोपण, जल स्रोतों की सफाई, रूफटॉप हार्वेस्टिंग, निबंध-भाषण प्रतियोगिताएं और महिला समूहों की भागीदारी जैसे नवाचारात्मक प्रयास शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब तक जल चेतना हर नागरिक तक नहीं पहुंचेगी, तब तक कोई भी अभियान पूर्ण नहीं माना जाएगा। कार्यक्रम के पश्चात डॉ. बैरवा विधायक दीप्ति माहेश्वरी के नवनिर्मित जनसुनवाई केंद्र भी पहुंचे और अवलोकन किया।

पशुपालकों की सुविधा के लिए जिला स्तर पर भी होगा पशु मेलों का आयोजन : पशुपालन मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पशुपालन को बढावा देने के उद्देश्य से प्रदेश के हर जिले में चरणबद्ध तरीके से पशु मेलों का आयोजन किया जाएगा। इसके प्रथम चरण के लिए 11 जिलों का चयन किया गया है। यह जानकारी देते हुए पशुपालन, गोपालन तथा देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि प्रतिवर्ष प्रदेश में 10 राज्य स्तरीय पशु मेलों का आयोजन किया जाता है। कला, संस्कृति, पशुपालन और पर्यटन की दृष्टि से यह मेले अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। देश विदेश के हजारों लाखों पर्यटक इसके माध्यम से लोक कला एवं ग्रामीण संस्कृति से रूबरू होते हैं। उन्होंने कहा कि इन मेलों में दूरस्थ स्थानों के छोटे किसानों और पशुपालकों की आवक कुछ कम रहती है जिससे उनके पास अच्छी नस्ल के पशुओं की जानकारी तथा पशुपालन से संबंधित आधुनिक जानकारी पहुंचने में वक्त लग जाता है और उन्हें इसका लाभ देर से मिलता है। राजस्थान के संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में वर्तमान सरकार पशुओं और पशुपालकों के कल्याण के लिए कटिबद्ध है। इसलिए राज्य सरकार ने पशुपालकों की सुविधा को देखते हुए जिला स्तर पर भी पशु मेले आयोजित करने का निर्णय लिया है और अपने पहले ही बजट में जिला स्तरीय पशु मेलों की घोषणा कर दी जिसे चरणों में अमली जामा पहनाया जाएगा। पहले चरण में इस वर्ष पशुपालन विभाग ने 11 जिला स्तरीय मेलों के आयोजन की योजना बनाई है। वे जिले जिनमें इस वित्तीय वर्ष में जिला स्तरीय मेलों का आयोजन किया जाएगा वे हैं जोधपुर, जैसलमेर, जयपुर, चूरू, बीकानेर, उदयपुर, राजसमंद, पाली, सिरोही, झुंझुनूं और जालोर। इन सभी मेलों के स्थान और आयोजन तिथियां घोषित कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय पहला मेला चुरू जिले के तालछापर में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। आने वाले समय में सितंबर में दो, अक्टूबर में एक, जनवरी-2026 में दो तथा फरवरी माह में पांच जिलों में पशु मेले आयोजित किए जाएंगे। इनमें 8 से 17 सितंबर तक झुंझुनूं जिले के नवलगढ में बदराना पशु मेला, 13 से 17 सितंबर तक राजसमंद जिले के कुरज तहसील रेलमगरा में समेलिया महादेव पशु मेला, 6 से 10 अक्टूबर तक जयपुर जिले की तूंगा तहसील के देवगांव में नईनाथ पशु मेला, 20 से 24 जनवरी तक जैसलमेर जिले के रामदेवरा पोकरण में बाबा रामदेव पशु मेला, 28 जनवरी से 01 फरवरी तक जोधपुर जिले की केरू पंचायत समिति की ग्राम पंचायत बड़ली में भैरूजी पशु मेला, 7 से 12 फरवरी तक बीकानेर जिले के लूणकरणसर में लूणकरणसर पशु मेला, 15 से 19 फरवरी तक पाली जिले के सांडेराव में श्रीनिंबेश्वर महादेव पशु मेला व जालौर जिले के सायला में मां कात्यायनी देवी पशु मेला, 16 से 20 फरवरी तक उदयपुर जिले के जूनावास, खेमली में अंजना माता पशु मेला, 25 फरवरी से एक मार्च तक सिरोही जिले की रेवदर तहसील के मंडार में लीलाधारी महादेव पशु मेले का आयोजन किया जाएगा।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में सरस निभाएगा सक्रिय भागीदारी

5 से 20 जून तक सरस जल एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान"

सरस मित्र प्रीमियम नियमित ग्राहकों के घर-घर जाकर वितरित करेंगे तुलसी का पौधा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन दआरसीडीएफ), इससे संबद्ध जिला दुग्ध संघों और पशु आहार सयंत्रो वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में सक्रिय सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की पहल पर विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के पावन अवसर पर 5 जून से 20 जून तक इस अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता लाना एवं व्यवहारिक कदम उठाना है। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रशासक और प्रबन्ध संचालक श्रीमती श्रुति भारद्वाज ने बताया कि इस अभियान के तहत राज्य भर में सरस जल एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सरस मित्र प्रीमियम नियमित ग्राहकों के घर-घर जाकर तुलसी का पौधा वितरित करेंगे। प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही दुग्ध संघों एवं समितियों में स्वच्छता अभियान की शुरुआत की जाएगी। मानसून के दौरान जल संचयन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत वर्षा जल संरक्षण हेतु जिन दुग्ध संघों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं है, वहाँ इसे तत्काल स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा भूजल पुनर्भरण से संबंधित समस्त कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ईआरपी प्लांट से निकलने वाले अपशिष्ट जल का पूर्ण सदुपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। जयपुर जिला दुग्ध संघ द्वारा स्थापित ज़ीरो डिस्चार्ज प्लांट की उपयोगिता को देखते हुए अन्य जिला दुग्ध संघ भी इसकी स्थापना के लिए आवश्यक अध्ययन व प्रक्रिया प्रारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि दुग्ध संघों के कर्मचारी] दुग्ध उत्पादक व प्रतिनिधियों के लिए जल एवं पर्यावरण संरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आरसीडीएफ के सभी पशु आहार संयंत्र परिसर के बाहर पशुओं के लिए खेली बनाई जाएगी जिसमें पानी और यथा संभव चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जावेंगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी जिला दूध संघ के प्रबंध संचालक उनके जिलों के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

गंगा दशहरा पर त्रिपोलिया महादेव मंदिर में हुई माह आरती

भोले बाबा की सजी अलौकिक झांकी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अलवर की त्रिपोलिया महादेव मंदिर में गंगा दशहरा पर्व बड़ी उत्साह से मनाया गया।। इस अवसर पर त्रिपोलिया महादेव मंदिर में भोले बाबा की महा आरती काशी की महाआरती की तर्ज पर की गई। साथ ही अलौकिक झांकी सजाई गई। महा आरती में महिलाओं ने अपने हाथों में दीपक लेकर भगवान भोलेनाथ की आरती की। सुबह से मंदिर में भोले बाबा के दर्शनों की कतार लगी रही। शाम को श्री त्रिपोलिया महादेव में भगवान शंकर की जटाओं से निकलती हुई गंगा की अद्भुत आलौकिक झांकी सजाई गई जिसको देखने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। शाम को होने वाली आरती में मुख्य रूप से किन्नर समाज में भाग लिया। उन्होंने भी अलवर के इतिहास में गंगा दशहरा पर पहली बार आरती की। इस महा आरती में किन्नर समाज से गद्दीपति अखेपुरा अलवर राखी बाई, आरती, सोनम बाई सहित अनेक किन्नरों ने भाग लिया। त्रिपोलिया महादेव मंदिर में भगवान को जल स्नान स्नान व विभिन्न विभिन्न रसों से भगवान के प्राचीन शिवलिंग को अर्पित किया गया व शाम 6.15 बजे काशी विश्वनाथ के तर्ज पर महाआरती का आयोजन हुआ। श्री त्रिपोलिया महादेव में भगवान शंकर की जटाओं से निकलती हुई गंगा की अद्भुत आलौकिक झांकी सजाई जाएगी। जिसके दर्शन लिए आमजन कतार से भगवान के दर्शन करने की व्यवस्था रही। त्रिपोलिया महादेव मंदिर के महंत पंडित जितेंद्र खेड़ापति ने बताया कि आमजन व प्रचंड गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए कूलर पंखे व शीतल जल ठंडे जल की प्याऊ, केले, आम का प्रसाद वितरण आदि की व्यवस्था समिति द्वारा की गई। कार्यक्रम के समापन पर मंदिर महंत जितेन्द्र खेड़ापति की ओर से किन्नर समाज के आए सभी सदस्यों का साड़ी ओढ़ाकर सम्मान किया समिति अध्यक्ष ने बताया कि गंगा दशहरा भागीरथ जी द्वारा भगवान शिव को प्रसन्न कर गंगा को पृथ्वी लोक में लाने के उपलक्ष में यह पर्व हमारे सनातन के मुख्य त्योहारों के रूप में मनाया जाता है।

अजमेर में शासन सचिव कृषि का दौराः कृषि उत्पादों को जीआई टैग दिलाने पर दिया विशेष जोर

जयपुर टाइम्स

जयपुर/अजमेर(निसं.) शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने मंगलवार को अजमेर जिले के विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थानों का दौरा किया। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र (KVK), कृषि अनुसंधान उप केन्द्र बीज निगम ग्राह्य परीक्षण केन्द्र IBM लैब, राजहंस नर्सरी तथा केन्द्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र (NRCSS), तबीजी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान को प्रयोगशाला से खेत तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। विशाल ने कृषि विज्ञान केंद्र की गतिविधियों का अवलोकन करते हुए किसानों को मौसम आधारित सलाह व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से देने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों की चयन प्रक्रिया में डुप्लीकेशन से बचने के लिए आत्मा, केवीके और कृषि विभाग में समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। रस्स केंद्र पर उन्होंने गेहूं और दलहन की क्लाइमेट रेजिलिएंट किस्मों के विकास की दिशा में अनुसंधान बढ़ाने के निर्देश दिए। बीज निगम ईकाई का निरीक्षण करते हुए निर्माणाधीन कार्यालय को 30 जून तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीज की थैलियों पर टैग की स्कैनिंग व्यवस्था और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। केंद्र में परीक्षणों की ऑब्जर्वेशन शीट में तारीख व हस्ताक्षर अनिवार्य करने और निजी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे परीक्षणों की फीस बढ़ोतरी पर कार्रवाई के निर्देश दिए। तबीजी स्थित मसाला अनुसंधान केंद्र में उन्होंने नागौर की कसूरी मेथी को जीआई टैग में शामिल करने की सराहना की और अन्य कृषि उत्पादों को भी जीआई टैग दिलाने में विभाग को अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया।

करौली में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान का शुभारंभ, मंत्री बेढम ने किया अधिक पेड़ लगाने का आह्वान

जयपुर टाइम्स

जयपुर/करौली(निसं.) गृह राज्य मंत्री एवं करौली जिले के प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने गुरुवार को करौली जिले की ग्राम पंचायत जमूरा स्थित सागर सरोवर से वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ किया। उन्होंने सरोवर की पाल पर पूजा-अर्चना कर जिले की सुख-समृद्धि की कामना की और लोकदेवता ऊदा बाबा के दर्शन भी किए। मंत्री बेढम ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जल व पर्यावरण संरक्षण संदेश को गांव-ढाणी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होंने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्यभर में वंदे गंगा जल संरक्षण और वृक्षारोपण महाभियान 5 से 20 जून तक चलाया जा रहा है। पिछली बार प्रदेश में सवा 7 करोड़ पौधे लगाए गए थे, इस बार 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मंत्री ने विश्वास जताया कि राजस्थान की जनता 11 करोड़ पौधे लगाकर नया रिकॉर्ड बनाएगी। उन्होंने अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी की अपील करते हुए पोखर, तालाब, बांध, एनीकट जैसे जल स्रोतों की सफाई कर जल संकट के समाधान में योगदान देने को कहा। साथ ही बताया कि राज्य सरकार युवाओं को बड़े स्तर पर रोजगार दे रही है और 35 लाख करोड़ के निवेश के एमओयू भी हुए हैं। इस अवसर पर प्रभारी सचिव आशुतोष ए टी पेडनेकर, विधायक हंसराज मीणा, एसपी बृजेश उपाध्याय, सीईओ शिवचरण मीणा सहित अनेक अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जोबनेर कृषि महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

"प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं" थीम पर विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं" थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने पोस्टर, कविता और विचारों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीकृष्ण भगवान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने हाइब्रिड मोड के माध्यम से की। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण आज वैश्विक संकट बन चुका है, जिससे पर्यावरण, जल, मृदा और मानव स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। डॉ. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर प्लास्टिक मुक्त आयोजन सुनिश्चित किए जाएंगे और छात्रों को कपड़े के थैले, पुन उपयोग योग्य बोतलें तथा कचरे के पृथक्करण को जीवनशैली में अपनाने की प्रेरणा दी। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. गजानंद जाट ने बताया कि भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की खपत 11 किलोग्राम तक पहुँच चुकी है। प्रतिदिन प्लास्टिक से भरे लगभग 2000 ट्रकों के बराबर कचरा जल स्रोतों में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि जैविक विकल्पों को अपनाना और जन-जागरूकता समय की मांग है। कार्यक्रम में डॉ. हिना सहीवाला ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें हर्षिता प्रजापत, हर्षिता सैनी, स्पर्श शर्मा, दीप्ती, प्रियांशु, कमलेश कुमावत, कमलेश चौधरी व एम. डी. आमिर को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में जोबनेर व बसेड़ी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में डॉ. बी.एस. बधाला, डॉ. संतोष सामोता, डॉ. बी.एस. चंद्रावत सहित कुल 303 विद्यार्थियों ने हाइब्रिड मोड से भाग लिया।

उदयपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का उत्सवी आगाज

गंगा पूजन और कलश यात्रा के माध्यम से जल संरक्षण का दिया गया संदेश

जयपुर टाइम्स

उदयपुर(निसं.)। विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशमी के अवसर पर गुरुवार को उदयपुर में "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" का उत्सवमय शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आयोजित इस अभियान का उद्देश्य जल आत्मनिर्भर राजस्थान और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना है। दूधतलाई घाट पर हुए भव्य कार्यक्रम में राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री हेमंत मीणा ने गंगा पूजन कर अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, नगर निगम, राजीविका और जल संसाधन विभाग के सहयोग से कलश यात्रा, पीपल पूजन तथा जल स्त्रोतों की सफाई जैसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मीणा ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और कहा कि जल के बिना जीवन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि "हमारे पूर्वजों ने जल का महत्व समझते हुए तालाब और झीलें बनाईं, जिनका लाभ आज भी हम ले रहे हैं। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम जल सहेजें ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इससे लाभान्वित हो सकें।" कार्यक्रम में खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव व जिले के प्रभारी सचिव टी. रविकांत, सांसद डॉ मन्नालाल रावत, विधायक फूलसिंह मीणा, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, जिला कलक्टर नमित मेहता सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। मीणा ने आमजन से अपील की कि वे वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की सफाई और पारंपरिक जलधाराओं के संरक्षण में भागीदारी निभाएं ताकि यह अभियान सफल हो सके।

सड़क पर समान अधिकार का सवाल

इस अध्ययन के आधार पर इन्होंने अनुशंसा की है कि "सभी वाहनों-मोटरवाहनों और गैर-मोटर वाहनों, दोनों को एक संयुक्त परिवहन-व्यवस्था के दायरे में रखते हुए उस पर लोकतांत्रिक ढंग से परिचालन की प्रणाली बनाई जाए और भेदभावपूर्ण रवैए को समाप्त किया जाए। साइकिल रिक्शा से जुड़े तमाम कायदे-कानूनों की समीक्षा और बदलाव आज की स्थानीय और वैश्विक जरूरतों और संदर्भों में की जानी चाहिए, क्योंकि आज विश्व में रिक्शे के प्रति नजरिये में व्यापक बदलाव आ रहा है। सभी चौड़ी सड़कों पर साइकिल रिक्शा लेन और संकरी सड़कों तथा सार्वजनिक परिसरों को गैर-मोटर वाहनों के प्रवेश के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए। रिक्शा चालकों के लिए रैनबसेरा, सस्ती दर पर पौष्टिक आहार, मुफ्त स्वास्थ्य जांच और दवा की सुविधा सरकार की ओर से की जानी चाहिए। शहर में सड़कों के ढांचागत विकास और विस्तार में गैर-मोटर वाहनों की अनुकूलता की प्राथमिकता कानूनन अनिवार्य बनाया जाए।

बिहार की राजधानी पटना में 25 सितंबर 2016 को 'सड़क पर समता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय' पर बहु-आयामी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। पटना के विभिन्न मंचों की ओर से अभी तक के होते रहे आयोजनों से यह अलहदा किस्म की पहल थी। इसका आयोजन दिल्ली के एक समूह 'इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड सस्टेनेबिलिटी' (आइडीएस) ने किया था। कार्यक्रम की शुरुआत 'शहर में गतिशीलता की झलक' के सवाल को दर्शाते हुए एक प्रदर्शनी से की गई। इसमें पथ-पथिकों, साइकिल चालकों और साइकिल रिक्शा से जुड़े भारतीय समाज और सड़क पर इसकी पूर्व में उपस्थिति, वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य की उड़ान को दर्शाया गया था। गांधी की साइकिल चलाते हुए और उनकी पैदल यात्रा की तस्वीरें मुख्य रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही थीं; वहीं रिक्शे से जुड़े कई पैनल लगे थे जो उनके इतिहास, वर्तमान और भविष्य की ओर इशारा कर रहे थे। आयोजकों ने विभिन्न देशों की सड़कों पर हो रहे परिवर्तन और बहसों को उन स्थानों के चित्रों के माध्यम से लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी। लगभग तीस पैनलों की श्रृंखला में लगाई गई बहुत ही सुसंगठित प्रदर्शनी, करीने से अपनी बात बिहार के अलग-अलग शहरों से आए प्रतिभागियों से कह रही थी। इस प्रदर्शनी की खास बात यह थी कि इसकी हर बात हमारे इतिहास को उकेरती थी और मन को भी।

आइडीएस ने पटना की सड़कों पर चल रहे साइकिल रिक्शे के योगदान और अभी की चुनौतियों पर एक व्यापक अध्ययन किया है। इसकी मुकम्मल रपट भी इस समारोह में जारी की गई। यह रपट पटना शहर के विभिन्न इलाकों के साइकिल रिक्शा चालकों, मिस्त्रियों, मालिकों और सवारियों के साथ इंटरव्यू और सामाजिक सरोकारों से जुड़े समूहों, व्यक्तियों, बुद्धिजीवियों के साथ बातचीत के आधार पर तैयार की गई है। इस रपट में रिक्शा और सड़क-परिवहन की नीतियों पर भी प्रकाश डाला गया है। इसमें आकड़ों का बहुत ही सटीक विश्लेषण किया गया है। कुछ रिक्शा चालकों, मिस्त्रियों और मालिकों की बातें भी कायदे से प्रस्तुत की गई हैं जो उनके योगदान और परेशानियों को दर्शाती हैं।

इस अध्ययन के आधार पर इन्होंने अनुशंसा की है कि "सभी वाहनों-मोटरवाहनों और गैर-मोटर वाहनों, दोनों को एक संयुक्त परिवहन-व्यवस्था के दायरे में रखते हुए उस पर लोकतांत्रिक ढंग से परिचालन की प्रणाली बनाई जाए और भेदभावपूर्ण रवैए को समाप्त किया जाए। साइकिल रिक्शा से जुड़े तमाम कायदे-कानूनों की समीक्षा और बदलाव आज की स्थानीय और वैश्विक जरूरतों और संदर्भों में की जानी चाहिए, क्योंकि आज विश्व में रिक्शे के प्रति नजरिये में व्यापक बदलाव आ रहा है। सभी चौड़ी सड़कों पर साइकिल रिक्शा लेन और संकरी सड़कों तथा सार्वजनिक परिसरों को गैर-मोटर वाहनों के प्रवेश के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए। रिक्शा चालकों के लिए रैनबसेरा, सस्ती दर पर पौष्टिक आहार, मुफ्त स्वास्थ्य जांच और दवा की सुविधा सरकार की ओर से की जानी चाहिए। शहर में सड़कों के ढांचागत विकास और विस्तार में गैर-

मोटर वाहनों की अनुकूलता की प्राथमिकता कानूनन अनिवार्य बनाया जाए। 'एकल साइकिल रिक्शा मालिक पद्धति' और 'बहुसंख्यक रिक्शा पद्धति' दोनों को कानूनी मान्यता दी जानी चाहिए और 'पड़ोसी साइकिल रिक्शा नेटवर्क' योजना बनाई और लागू की जानी चाहिए। साइकिल रिक्शा परिवहन के प्रोत्साहन के लिए रिक्शा निर्माताओं, रिक्शा मालिकों और मिस्त्रियों व चालकों को बैंक लोन, व्यवसाय के लिए भूमि आवंटन तथा विभिन्न करों से छूट मिलनी चाहिए। आज के समय में साइकिल रिक्शे का संदर्भ बहुत व्यापक हो गया है, इससे न सिर्फ हमारे स्थानीय कारीगरों को रोजगार और बढ़ावा मिलेगा बल्कि इससे जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से भी राहत मिलेगी। इसलिए इनकी डिजाइन को समाज के अनुकूल किया जाए। इसे वैज्ञानिक प्रगति का लाभ दिया जाए। इसके लिए जरूरी है कि हमारे राजनीतिज्ञ, योजनाकार, नौकरशाह, वैज्ञानिक, शहरी विकास के नीति नियंता और समाज परिवर्तनकर्मी इस मसले में रुचि लें और पहल करें।" इस रिपोर्ट का लोकार्पण बिहार के परिवहन मंत्री चंद्रिका राय, पटना के महापौर अफजल इमाम, दिल्ली आइआइटी की परिवहन विशेषज्ञ गीतम तिवारी, अन्विता अरोड़ा, मुंबई से शहरी मामलों के रणनीतिकार राजेंद्र भिसे, बिहार के पूर्व मंत्री रामदेव यादव के सान्निध्य में सामूहिक रूप से किया गया, जिसमें काफी तादाद में रिक्शा समूह से जुड़े लोग भी शामिल थे। इस अध्ययन और समारोह के बारे में आयोजकों ने बताया कि पटना में अध्ययन से पूर्व इन्होंने राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र के चौबीस शहरों में ऐसा ही अध्ययन किया, जिसके आधार पर साइकिल रिक्शा की खातिर एक मुकम्मल नीति बनाने के लिए एक अभियान चलाया गया। परिणामस्वरूप 2006 में जब केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति बनाई तब उसमें साइकिल रिक्शा, साइकिल और पद-पथिकों के सवाल को भी शामिल किया। उस नीति में साफ-साफ कहा गया है कि सरकार लोगों की गतिशीलता को बढ़ाएगी, न कि मोटरवाहनों को। पटना शहर ऐतिहासिक शहरों में से एक है। साइकिल रिक्शा यहां की हर सड़क पर विराजमान रहा है और लोगों की जिंदगी में भी। पटना रेलवे स्टेशन के गेट पर पहले रिक्शों का ही साम्राज्य था, लेकिन अब उन्हें वहां से बेदखल कर दिया गया है। आज पटना प्रदूषित शहरों की सूची में अग्रणी है। इसकी एक वजह मोटरवाहनों की बढ़ती संख्या है, जो वायु और ध्वनि प्रदूषण तो बढ़ा ही रही है, सड़क-दुर्घटना और सामाजिक तनाव को भी बढ़ा रही है। रिक्शा प्रदूषण-रहित वाहन है और लगभग आठ दशकों से पटना के शहरी समाज से इसका सरोकार रहा है, पर अब धीरे-धीरे दरकिनार होता जा रहा है। सड़कों से इसके अधिकार छिनते चले जा रहे हैं। सामाजिक-राजनीतिक तौर पर इसके पक्ष में उठती आवाजें बंद हो गई हैं। लगता है, साइकिल रिक्शे की सड़क से बेदखली के मामले में सारी विचारधाराओं के लोगों के बीच गठजोड़ बन गया है। यही वजह है कि जिन सड़कों पर समता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की गूंज उठा करती थी और ये नारे लगते थे 'सौ में नब्बे शोषित हैं, नब्बे भाग हमारा है', 'कमाने वाला खाएगा, लूटने वाला जाएगा, नया जमाना आएगा', उससे उलट आज यहां की हर धारा का राजनैतिक नेतृत्व यह कहता है कि सड़कों पर कारों को चलने की जगह नहीं है तो रिक्शे को कैसे जगह मिलेगी। वे यह भी कहते हुए गुरेज नहीं करते कि आधुनिकता की दौड़ में रिक्शे के लिए कहां जगह है! इस बात को कुछ दूसरी तरह से परख कर देखें। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, पटना में कारों की संख्या चार प्रतिशत है, मगर यही कारें पटना की सड़कों पर राज करती हैं। शहर के सौ प्रतिशत लोग किसी न किसी हद तक पैदल चलते हैं जिनमें कार वाले लोग भी शामिल हैं। लेकिन पैदल राहगीरों के लिए कहीं भी सुरक्षित चलने के रास्ते नहीं हैं। बड़ी संख्या में नागरिक साइकिल से चलते हैं। सरकार भी साइकिल बांटती है और इसे बढ़ावा देती है!

सम्पादकीय

आपदा प्रबंधन की ठोस योजनाएं बनाने की जरूरत

पूर्वोत्तर में इस बार भी बारिश ने तबाही मचा दी है। लाखों लोगों का जीवन संकट में है। असम सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, मानवीय संकट भी है। वर्तमान स्थिति का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन तो है ही, कमजोर बुनियादी ढांचा भी है। पूर्वोत्तर के कई राज्य हर बार भारी बारिश का सामना करते हैं। इस दौरान नदियां उफन पड़ती हैं। जर्जर तटबंध पानी के वेग को संभाल नहीं पाते। नतीजा यह कि कई जिले जलमग्न हो जाते हैं, जिससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं। फसलें बर्बाद हो जाती हैं। दरअसल, जंगलों की कटाई, अवैध खनन और अनियोजित शहरीकरण से यह समस्या बढ़ी है। पूर्वोत्तर में आपदा प्रबंधन आज तक मजबूत नहीं बन पाया है, तो इसकी क्या वजह है? मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल सहित कई राज्य इस बार भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई लोगों की मौत हो चुकी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रपट के मुताबिक 764 गांव जलमग्न हो गए हैं। पूरे पूर्वोत्तर में बरसात के दिनों में यही तस्वीर दिखती है। सवाल है कि बाढ़ से बचाव के लिए राज्य सरकारें पहले से तैयारी क्यों नहीं करतीं। जलवायु विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अगर जलवायु अनुकूल रणनीति और योजनाएं नहीं बनाई गईं, तो भविष्य में बारिश बड़े पैमाने पर तबाही ला सकती है। मौसम वैज्ञानिक पहले से ही बताते रहे हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की संरचना नाजुक है। ऐसे में, जल निकासी का व्यापक प्रबंधन न होने से मूसलाधार बारिश के दौरान जल प्रवाह को संभालना मुश्किल होता है। वहीं उफनती नदियां तबाही मचा देती हैं। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विभाग की रपट बताती है कि वर्ष 2000 से 2020 के बीच मेघालय, अरुणाचल और असम में 33 फीसद बारिश बढ़ी है। ऐसे में आपदा प्रबंधन से जुड़े योजनाकारों और मौसम विज्ञानियों को बारिश में आई तीव्रता और मौसम के बदलते मिजाज को समझना होगा। प्राकृतिक आपदा के कारण नागरिक बेघर न हों, इसके लिए जरूरी है कि स्थानीय निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए।

धरती का संरक्षण

कुदरत का अनमोल तोहफा धरती के संरक्षण के लिए कुदरत ने बहुत कुछ हमें दिया है। इसी तोहफे में से एक है ओजोन परत। ओजोन परत का संरक्षण उसी तरह जरूरी है, जिस तरह हमें बीमारियों से बचने के लिए अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं, क्योंकि ओजोन परत सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी हानिकारक किरणों से हमारी रक्षा करती है। अगर ओजोन परत न होती तो सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों से धरती पर जितने भी प्राणी है, उनका जीवन असंभव हो जाता। इस परत की खोज फ्रांस के भौतिकविदों फैबरी चार्ल्स और हेनरी बुसोन ने की थी। ओजोन के संरक्षण के लिए ही 19 दिसंबर 1964 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 16 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय ओजन दिवस मनाने की घोषणा की थी। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया के लगभग 45 अन्य देशों ने ओजोन परत को खत्म करने वाले पदार्थों पर मान्ट्रियल प्रोटोकाल पर 16 सितंबर 1987 को हस्ताक्षर किए थे। ओजोन परत को सुरक्षित रखने के लिए हमारे देश को ही नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश के नागरिक को गंभीर रहने की जरूरत है। इसके लिए पर्यावरण संरक्षण भी बहुत जरूरी है। धरती पर जिस तरह प्रदूषण बढ़ रहा है, जहरीला धुआं मुसीबत बन रहा है, उसके लिए तो यह और भी इस बात का खतरा बढ़ गया है कि यह ओजोन परत को पतला कर सकता है। इससे सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणें इंसान के अस्तित्व के लिए ही नहीं, बल्कि सभी प्राणी जातियों के लिए कभी भी खतरा बन सकती है। दुनिया के सभी देशों को मिलकर ओजोन परत को बचाने के लिए प्राथमिक और युद्ध स्तर पर अभियान आज से नहीं, बल्कि अभी से चलाने चाहिए। कुदरत के दिए अनमोल तोहफों को संभालने के लिए अगर हमने आज से नहीं, बल्कि अभी से लापरवाही नहीं छोड़ी तो वे दिन दूर नहीं है, जब स्वर्ग जैसी धरती नरक बन जाएगी और प्राणी जाति का अस्तित्व खतरे में आ जाएगा। ज्ञानवापी मस्जिद विवाद की जड़ें इतिहास में हैं। कुछ इतिहासकारों के अनुसार, सत्रहवीं शताब्दी में औरंगजेब के आदेश पर एक शिव मंदिर को नष्ट कर दिया गया था और उस स्थान पर ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण किया गया था। कानून किसी भी पूजा स्थल के रूपांतरण पर रोक लगाते हैं और किसी भी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाए रखने का प्रावधान करते हैं जैसा कि 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में था। भूमि के कानूनों को बरकरार रखा जाना चाहिए। ऐसा लगता है कि ज्ञानवापी मस्जिद में पूजा के अधिकार पर वाराणसी जिला अदालत के फैसले से बाबरी मस्जिद मामले की तरह एक और लंबी लड़ाई लड़ी जाएगी। कोई भी धर्म युद्ध का प्रचार नहीं करता, लेकिन धर्म को लेकर कई युद्ध लड़े गए हैं। सभी भारतीयों को अपने चुने हुए धर्म का पालन करने का अधिकार है। लेकिन हाल ही में जब भी किसी मस्जिद के नीचे किसी मंदिर के निशान मिलते हैं, तो धार्मिक कट्टरपंथियों के बीच वाकयुद्ध शुरू हो जाता है, जिसका राजनेताओं द्वारा शोषण किया जाता है।

टूटे न ये रिश्ते की डोर

वह मेरे साथ चल पड़ी है। शायद उसे मुझ पर भरोसा हो गया है। मैं प्लेटफार्म नंबर एक के अंतिम छोर की ओर बढ़ रहा हूं। मैंने उससे पूछा, वैशाली से आगे कहां जाना है? वह बता रही है कि उसे गाजियाबाद में लाल कुआं जाना है। उसके पास ट्राली बैग है और कंधे पर झोला भी। दूर यात्रा पर निकली है। न जाने कहां से आई है। यह दिल्ली की तो नहीं लगती। अठारह-उन्नीस साल की युवा लड़की। हर पल सजग और सतर्क निगाहें। ज्हुडा सिटी सेंटर वाली आठ कोच की मेट्रो के आने की उद्घोषणा हो रही है। प्लेटफार्म पर मेट्रो लग गई है। दरवाजे खुल रहे हैं।

इस समय आजादपुर मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियां चढ़ रहा हूं। प्लेटफार्म पर ट्रॉली बैग खींचती उस गोरी-चिट्टी बंगाली लड़की ने पास आकर पूछा, यहां से गाजियाबाद के लिए मेट्रो मिल जाएगा क्या। मैंने कहा, नहीं। यहां से पहले राजीव चौक जाना पड़ेगा। फिर वहां से वैशाली की मेट्रो मिलेगी। यह जान कर वह निराश दिख रही है। 'ज्कोई बात नहीं। मैं भी राजीव चौक ही जा रहा हूं। मैं अगली मेट्रो का रास्ता बता दूंगा।' मैंने कहा। उसने एक पल के लिए मुझे ध्यान से देखा है। शायद मेरे भीतर के इनसान को टटोल रही है। स्वाभाविक ही है। क्योंकि कुछ पुरुषों की हैवानियत की वजह से ज्यादातर पुरुषों की विश्वसनीयता दांव पर लग गई है।

वह मेरे साथ चल पड़ी है। शायद उसे मुझ पर भरोसा हो गया है। मैं प्लेटफार्म नंबर एक के अंतिम छोर की ओर बढ़ रहा हूं। मैंने उससे पूछा, वैशाली से आगे कहां जाना है? वह बता रही है कि उसे गाजियाबाद में लाल कुआं जाना है। उसके पास ट्राली बैग है और कंधे पर झोला भी। दूर यात्रा पर निकली है। न जाने कहां से आई है। यह दिल्ली की तो नहीं लगती। अठारह-उन्नीस साल की युवा लड़की। हर पल सजग और सतर्क निगाहें। ज्हुडा सिटी सेंटर वाली आठ कोच की मेट्रो के आने की उद्घोषणा हो रही है। प्लेटफार्म पर मेट्रो लग गई है। दरवाजे खुल रहे हैं।

कोने की सीट पर बैठ गया हूं। वह मेरे साथ बैठ गई है। 'तुम पढ़ती हो?' मैंने बातचीत शुरू करने के इरादे से पूछा। उसने कहा, 'हां सर। कोटा में मेडिकल परीक्षा की तैयारी कर रही हूं। कुछ समय निकाल कर भाई के दोस्त के घर गाजियाबाद जा रही हूं। फिर वहां एक दिन रह कर कल राजधानी एक्सप्रेस से कोलकाता चली जाऊंगी। वहां अपना घर है।' 'बड़ी लंबी यात्रा तुम्हारी। कोटा से गाजियाबाद और फिर कोलकाता' मैंने मुस्कुराते हुए कहा। वह भी मुस्कुराई। 'नहीं ऐसी कोई बात नहीं। इतनी लंबी यात्रा अब कर लेती हूं। डरती नहीं हूं। बस भटक न जाऊं। यही चिंता होती है', उसने कहा। उसे विश्वास हो गया है कि मुझसे खुल कर बात कर सकती है। तभी उसके मोबाइल की घंटी बज उठी है। दूसरी तरह से पूछे गए सवाल पर उसने कहा, हां बैठ गई हूं मेट्रो में। कुछ देर में राजीव चौक पहुंच जाऊंगी। फोन करने वाला संभवत‍ उसके भाई का दोस्त है। वह उसे लाल कुआं आने का मार्ग बता रहा है। लड़की ने जवाब दिया, 'परेशान मत होइए। मैं आ जाऊंगी। वैशाली उतरते ही फोन करूंगी आप को।' ज तभी उसके भाई ने भी फोन कर हिदायत दी है। उसे भी वही जवाब, 'चिंता मत कीजिए। बच्ची नहीं हूं। पहुंच जाऊंगी सही पते पर।' कम उम्र की बहन। भाई की चिंता स्वाभाविक है। 'इतनी दूर कोटा से भाई के दोस्त के घर? कोई खास बात।' मैने यूं ही पूछ लिया। उसने मेरी बात का बुरा नहीं माना। उसने मुस्कुराते हुए कहा, उनको लड़का हुआ है न। मैंने हंसते हुए पूछा, 'मतलब?' 'जी मतलब ये कि पिछले साल उनकी शादी हुई थी। हाल में वे पापा बने है। तो मैं बच्चे को देखने जा रही हूं। वो हमारे भैया के खास दोस्त हैं। उनकी पत्नी मेरे लिए दीदी की तरह हैं।' ज सोच रहा हूं कि आज के दौर में जब रिश्तों की डोर कमजोर पड़ रही हो, भाई-भाई का सगा नहीं, भाई-बहन में प्यार नहीं। चचेरे-मौसेरे भाइयों-बहनों में आत्मीय संबंध नहीं। यहां तक कि पति-पत्नी के रिश्ते खोखले हो रहे हैं। कहने के लिए मित्रता बची है। ऐसे में सैकड़ों किलोमीटर दूर भाई के दोस्त के घर जाने की इस लड़की की ललक साबित करती है कि मानवीय संबंधों की डोर आज भी सलामत है। मुझे इसके दिल में ऐसा दीया जलता महसूस हो रहा है जो हर दिल में होना चाहिए और उसके पावन उजाले में बिखरते और गुम होते रिश्ते को सहेजना चाहिए। अगला स्टेशन सिविल लाइंस है। लड़की ने सहसा पूछा, 'सर हम पहुंचने वाले हैं राजीव चौक?' 'नहीं अभी नहीं', मैंने उसे आश्वस्त किया, 'अभी चार स्टेशन बाकी है। चिंत मत करो। मैं तुम्हें वैशाली की मेट्रो में बैठा कर ही आगे जाऊंगा।' अब वह निश्‍चिंत हो गई है। इस छोटी सी यात्रा में मैं अनजान नहीं रहा उसके लिए। उसने मोबाइल में सहेज कर रखी बच्चे की तस्वीर मेरे सामने रखते हुए कहा, 'देखिए सर। इसी को देखने जा रही हूं। ये मेरा बैग देख रहे हैं न। इसमें इस बच्चे के लिए खिलौने और ढेर सारे कपड़े हैं। कितना प्यारा बच्चा है। बस इसी के लिए और दीदी से मिलने निकल पड़ी कोटा से।

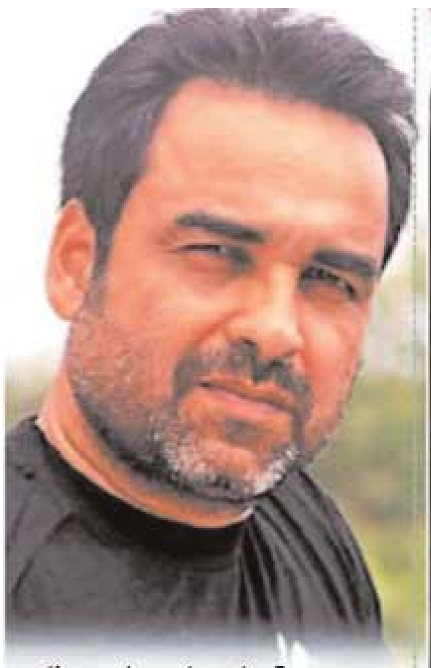

कौन बनेगा हेरा फेरी 3 का बाबूराव? परेश रावल करेंगे वापसी या पंकज त्रिपाठी निभाएंगे आइकॉनिक किरदार

फिल्म हेरा फेरी 3 इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है। परेश रावल के फिल्म छोड़ने के बाद कई तरह के विवाद सामने आए और मामला अब कानूनी कार्रवाई तक पहुंचने की स्थिति मे है। इसी दौरान खबरें आ रही हैं कि परेश रावल एक बार फिर फिल्म में वापसी कर सकते हैं। साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि पंकज त्रिपाठी उन्हें रिप्लेस कर सकते हैं। हालांकि, मेकर्स की ओर से अब तक इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अक्षय कुमार और परेश रावल ने फिल्म को लेकर चल रहा विवाद सुलझा लिया है। अब जल्द ही एक्टर फिर से फिल्म का हिस्सा बन सकते हैं। इसके अलावा हाल ही में परेश रावल के जन्मदिन पर सुनील शेट्टी ने भी उन्हें बर्थडे विश किया था। वहीं, कई यूजर्स का यह भी मानना है कि IPL 2025 के फाइनल मैच के दिन 'हेरा फेरी 3' का अनाउंसमेंट टीजर जारी किया जाएगा। इसी वजह से कुछ लोग परेश रावल के फिल्म में लौटने की खबरों को केवल एक मार्केटिंग स्ट्रेटेजी भी मान रहे हैं।

पंकज त्रिपाठी बनेंगे बाबूराव?

इसी बीच पंकज त्रिपाठी की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें उन्हें बाबूराव के सिग्नेचर हेयरस्टाइल और मोटे चश्मे में देखा जा सकता है। सफेद धोती और बनियान पहने हुए पंकज का लुक गोल्ड चेन और ब्रेसलेट के साथ पूरा होता है, जो इस किरदार की खास पहचान हैं। इसके बाद से ही कयास लगाए जाने लगे हैं कि क्या पंकज त्रिपाठी, परेश रावल की जगह बाबूराव का किरदार निभा सकते हैं। यूजर्स भी इस पोस्ट में जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। कुछ फैंस का मानना है कि पंकज त्रिपाठी अपनी दमदार एक्टिंग और मजेदार अंदाज से इस किरदार को नया रूप दे सकते हैं।

हेरा फेरी 3 विवाद पर अक्षय कुमार ने दिया था रिएक्शन

फिल्म हेरा फेरी 3 में काम करने से परेश रावल ने इनकार कर दिया है। हाल ही में 'हाउसफुल 5' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय कुमार पहुंचे थे। इस दौरान जब उनसे परेश रावल के हेरा फेरी 3 छोड़ने को लेकर सवाल किया गया, तो एक्टर ने जवाब में कहा, 'पहले तो उनके बारे में कुछ भी गलत कहना बंद करिए। मैं पिछले 30-32 सालों से उनके साथ काम करता आ रहा हूं। हम बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह एक शानदार एक्टर हैं और मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं। मुझे नहीं लगता कि यह वह जगह है जहां इस मुद्दे पर बात की जाए। यह एक गंभीर मामला है और जो कुछ भी होना है, वह कोर्ट में तय होगा। इसलिए मैं यहां इस पर कुछ भी कहने के पक्ष में नहीं हूं।

एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं रश्मिका मंदाना, कामयाबी के बाद मन में आता है ये ख्याल

साउथ की बेहतरीन एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने बॉलीवुड में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल से शुरूआत की। इसके बाद उनकी कई फिल्में काफी हिट रही हैं। हालांकि वह साउथ में पहले ही अपनी अदाकारी से लोगों का दिल चुकी हैं। आज फिल्म इंडस्ट्री पर राज करने वाली अभिनेत्री रश्मिका ने हाल ही में बताया है कि उनका सपना अभिनेत्री बनने का नहीं था।

रश्मिका ने बताया पूरी ईमानदारी से कहूं तो, मेरे बचपन में मैंने कभी भी अभिनेत्री बनने के बारे में नही सोचा होगा क्योंकि यह कभी मेरे प्लान का हिस्सा नहीं था। लेकिन मैं अपनी जिंदगी में पीछे मुड़कर देखती हूं तो मैं अपने आपको किस्मतवाली समझती हूं। मैंने वह कदम उठाया जिससे मेरी जिंदगी सकारात्मक तरीके से बदली।

कुछ भी स्थाई नहीं सब बदल सकता है

रश्मिका ने लगातार सफलता के बाद दबाव को मैनेज करने के बारे में कहा जब सफलता और उम्मीदों के दबाव को संभालने की बात आती है, तो मैं पूरी तरह से जानती हूं कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है। मैंने पहले भी कहा है, एक दिन आपके पास सब कुछ हो सकता है, और अगले ही दिन यह बदल सकता है।

मिला परिवार का साथ

रश्मिका ने आगे बताया कि उन्हें अपने परिवार से बहुत सपोर्ट मिला। इससे उन्हें चुनौतियों के सभी उतार-चढ़ावों को आसानी से पार करने में मदद मिली। उन्होंने कहा मैं अपने परिवार, करीबी दोस्तों और अपनी टीम का सपोर्ट पाकर अच्छा मससूर करती हूं। यह मुझे लगातार उन चीजों से जुड़े रहने में मदद करते हैं जो वास्तव में मायने रखती हैं। इसलिए जब मैं असल में कामयाबी के लम्हों का आनंद लेती हूं तो मैं इसे विनम्रता के साथ स्वीकार करती हूं।

रश्मिका का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि रश्मिका मंदाना को आखिरी बार फिल्म छावा और सिकंदर में देखा गया था। फिलहाल उनके पास कई फिल्में हैं। वह जल्द ही थामा, कुबेर और पुष्पा 3 - द रैम्पेज में नजर आएंगी।

ऑस्कर विजेता निर्देशक की हॉलीवुड फिल्म से डेब्यू करेंगी दिशा पाटनी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी अब हॉलीवुड में अपनी हॉट अदाओं का जलवा बिखेरनी को तैयार हैं। वो ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म से हॉलीवुड में अपने डेब्यू को तैयार हैं। दिशा पाटनी सुपरनेचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'होलीगार्ड्स' से हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी कर रहे हैं। खास बात ये है कि केविन इस फिल्म के जरिए लगभग 20 सालों के बाद निर्देशन की दुनिया में वापसी कर रहे हैं। फिल्म की अधिकांश शूटिंग मैक्सिको में हुई है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डेब्रांड जैसे कई इंटरनेशनल स्टार्स नजर आएंगे।

इस वजह से टला 'द ट्रेटर्स' में करण-जेनिफर का कमबैक

हाल ही में मीडिया में खबरें आई थीं कि पॉपुलर एक्टर्स करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट करण जौहर के नए रियलिटी शो द ट्रेटर्स में एक साथ नजर आ सकते हैं। ये खबर उनके फैंस के लिए खास थी क्योंकि दोनों की जोड़ी बहुत पसंद की जाती है। हालांकि, शो से जुड़े एक करीबी सूत्र ने हमें बताया कि ऐसा होने वाला नहीं है। अब शो के ट्रेलर में दोनों के नजर न आने से इस बात की पुष्टि भी हो गई।

वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए अप्रोच किया गया था

सूत्र कि मानें तो मेकर्स ने करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट दोनों को वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए अप्रोच किया था। उन्होंने बताया, शुरू में करण ने शो के लिए हामी भर दी थी, जेनिफर ने भी सहमति दी थी। लेकिन जेनिफर ने अपनी फीस बहुत ज्यादा मांगी, जो मेकर्स के बजट से बाहर थी। ऐसा उन्होंने जानबूझकर किया।

जेनिफर की फीस बनी रुकावट

सूत्र ने आगे बताया, शो के कई हिस्सों की शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी थी। दोनों को बाद में जोड़ने की कोशिश हुई, लेकिन फीस को लेकर बात नहीं बनी, इसलिए उनकी एंट्री नहीं हो सकी।

'द ट्रेटर्स' किस तरह का शो है?

द ट्रेटर्स एक इंटरनेशनल रियलिटी शो का इंडियन वर्जन है। इस शो को करण जौहर होस्ट कर रहे हैं। इसमें 20 जाने-माने लोग एक साथ खेलेंगे। खेल में कुछ लोग बाकी लोगों को धोखा देंगे और गेम से बाहर करने की कोशिश करेंगे। शो में दिमाग से खेलने वाले टास्क, दोस्ती और धोखा देखने को मिलेगा।

ये सेलिब्रिटीज लेंगे हिस्सा

शो का ट्रेलर आज जारी हो गया है। धोखे और चालबाजियों से भरपूर इस रियलिटी शो के पहले सीजन में 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं। इनमें अंशुला कपूर, अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जान्वी गौर, जैस्मिन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, पूरव झा, रफ्तार, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद शामिल हैं।

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म निकिता रॉय की नई रिलीज डेट घोषित

सोनाक्षी सिन्हा की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म निकिता रॉय की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। इस खुशखबरी को खुद सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

क्या है निकिता रॉय की नई रिलीज डेट

सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान किया है। सोनाक्षी ने फिल्म के पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें! हमारी रोमांचक थ्रिलर निकिता रॉय की अब नई रिलीज डेट आ गई है! 27 जून 2025 को बड़े पर्दे पर रहस्य का पर्दाफाश होते देखें!

फिल्म निकिता रॉय

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म है। सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। पहले यह फिल्म 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में सोनाक्षी के अलावा परेश रावल, सुहैल नय्यर और अर्जुन कपूर नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण निकी भगनानी, विक्की भगनानी और अंकुर टकरानी कर रहे हैं।

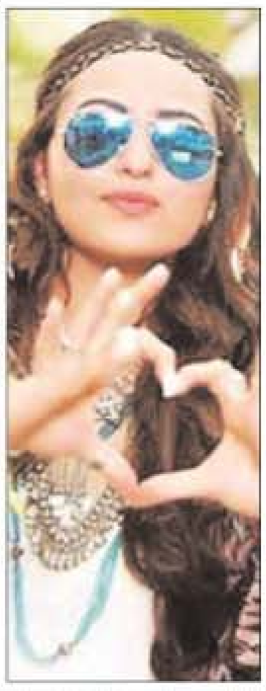

स्पिरिट' कंट्रोवर्सी में दीपिका के सपोर्ट में आए अजय देवगन

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट ने सोशल मीडिया और इंडस्ट्री में एक नई बहस छेड़ दी है। फिल्म में काम करने के लिए दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की शिफ्ट की मांग की थी, जिसके बाद उन्हें अनप्रोफेशनल बताते हुए फिल्म से निकाल दिया गया। अब इस मुद्दे पर अजय देवगन और काजोल ने बिना किसी का नाम लिए अपनी राय दी है। काजोल की फिल्म मां के ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब अजय और काजोल से पूछा गया कि इंडस्ट्री में नई मांएं आठ घंटे की शिफ्ट की मांग कर रही हैं। क्या आपको लगता है कि ये डिमांड सही है? क्या फिल्ममेकर्स को ये पसंद आएगा? काजोल ने इस सवाल पर हंसते हुए कहा, मुझे यह बात पसंद आई कि आप कम काम कर सकते हैं। तभी अजय ने बीच में ही काजोल को रोका और माफी मांगते हुए कहा- ऐसा नहीं है कि यह लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। अधिकांश ईमानदार फिल्ममेकर्स को इससे कोई समस्या नही होगी। इसके अलावा, मां होने के नाते आठ घंटे काम करना, ज्यादातर लोग आठ-नौ घंटे की शिफ्ट में काम करने लगे हैं। यह पर्सन टू पर्सन डिपेंड करता है और मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में अधिकांश लोग इसे समझते हैं। ये सारा विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब ऐसी खबरें आई कि फिल्म स्पिरिट में काम करने के लिए दीपिका ने कई मांगे रखी हैं। इनमें आठ घंटे की शिफ्ट, मोटी फीस, प्रॉफिट में हिस्सा और तेलुगु में डायलॉग न बोलने जैसी डिमांड शामिल थी। बता दें कि दीपिका 2024 के सितंबर में मां बनी हैं। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में बैलेंस बनाने के लिए वो हफ्ते में बस 5 दिन आठ घंटे की शिफ्ट चाहती थीं। एक्ट्रेस की इन सारी मांगों से डायरेक्टर संदीप खुश नहीं थे। दीपिका की मांगों को अनप्रोफेशनल बताते हुए फिल्म में उन्हें तृप्ति डिमरी से रिप्लेस कर दिया गया है।

नेपोटिज्म पर बोलीं पलक जायसवाल, हेरा फेरी 3 विवाद पर दिया बड़ा बयान

सीरीज 'क्रैकडाउन' में साकिब सलीम के साथ काम करने के बाद अभिनेत्री पलक जायसवाल हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' में दमदार किरदार में नजर आईं। इस सीरीज के बाद से उन्हें काफी एप्रिशिएट किया जा रहा है। अभिनेत्री आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। ऐसे में अमर उजाला डिजिटल ने उनसे खास बातचीत की जिसमें एक्ट्रेस ने अपने करियर समेत कई मुद्दों पर बात की।

भोपाल की रहने वालीं पलक मायानगरी में अपनी एक्टिंग के दम पर पहचान बनाना चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनका एक्टिंग का सफर कैसे शुरू हुआ तो उन्होंने कहा, 'मैं बचपन से एक्टर नही बनना चाहती थी। छोटी उम्र में ही मैं मुंबई आ गई थी में मुंबई आ गई थी और मैंने स्कूलिंग यहीं से की। बचपन से डांस अच्छा करती थी तो मम्मी-पापा को यकीन था कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अच्छा करूंगी। पापा ने पृथ्वीराज थिएटर में ज्वाइन करा दिया और वहीं से एक्टिंग में दिलचस्पी आ गई।'

कैसे शुरू हुआ एक्टिंग का सफर?

पलक ने अपनी जर्नी पर बात करते हुए बताया, 'पृथ्वीराज थिएटर ज्वाइन करने के बाद मैंने कुछ प्ले किए। इसके बाद मुझे कुछ ऐड करने का भी मौका मिला। इसके बाद कोविड आ गया जिसके बाद कुछ सीरीज और गाने आए मेरे लेकिन 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' मेरे करियर का अब तक का सबसे बड़ा मौका है।'

नेपोटिज्म पर पलक ने क्या कहा?

इंटरव्यू में पलक से जब नेपोटिज्म को लेकर पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि एक आउटसाइडर होने के नाते वैसा कुछ फेस करना पड़ता है। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'नेपोटिज्म हर चीज में हैं। ये स्टार किड्स की ब्लेसिंग है, उनकी फैमिली से उन्हें वो मिला है। लेकिन हमेशा हर किसी के लिए ये काम नहीं करता है। सभी लोग आलिया भट्ट के जैसे ही वो नाम नहीं कर पाते जो उनके पेरेंट्स कर पाए हैं। तो सभी का संघर्ष और टैलेंट ही आखिर में उन्हें आगे लेकर जाता है।'

आलिया जैसे रोल करना चाहती हैं पलक

जब पलक से पूछा गया कि वो एक एक्टर के तौर पर किसे अपना आइडियल मानती हैं तो उन्होंने बताया कि हॉलीवुड एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप उनकी फेवरेट एक्ट्रेस हैं। उन्होंने कहा, 'जब वो किसी भी किरदार में होती हैं तो उसमें ढल जाती हैं, इसलिए मैं बिल्कुल उनकी तरह ही बनना चाहती हूं। और मैं उम्मीद करती हूं कि आलिया भट्ट के दमदार किरदारों के जैसे ही मैं भी काम करूं।'

परेश रावल ने की सीरीज की तारीफ

पलक की सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' की तारीफ करते हुए हाल ही में दिग्गज एक्टर परेश रावल ने एक्स पर पोस्ट किया था कि ऐसे कॉन्टेंट को सिनेमा में बढ़ावा मिलना चाहिए। इस पर अभिनेत्री ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम उनकी फिल्में देखकर बड़े हुए हैं, उनके बाबूराव के किरदार को देखकर लगता है कि काश मैं भी ऐसी ही एक्टिंग कर पाऊं। तो उनके रिएक्शन से एक हिम्मत मिली कि ऐसे ही बस अच्छा काम करती जाऊं।'

तिग्मांशु धूलिया के साथ काम करने का अनुभव

इंटरव्यू में पलक ने अपने को-स्टार मयूर मोरे और दिग्गज एक्टर तिग्मांशु धूलिया के साथ काम करने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया। उन्होंने बताया, 'मयूर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी क्योंकि उसने इतना अच्छा काम किया हुआ है। तिग्मांशु सर की मैं बहुत इज्जत करती हूं। उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। वो एक सीन में हमारे साथ शूट कर रहे थे। उनके आने से सेट पर सभी बहुत सीरियसली काम करते थे।'

सेलेब्स की सुरक्षा पर बोलीं एक्ट्रेस?

इसके अलावा एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि इन दिनों स्टार्स की सुरक्षा का मुद्दा काफी उठाया जा रहा है तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'ये बिल्कुल अच्छा समय नहीं चल रहा है, आज के टाइम पर हर किसी को सुरक्षा की जरूरत है। सेलेब्स का नाम है इसलिए उनके बारे में पता चल जाता है लेकिन सड़क पर चल रहीं महिला भी सुरक्षित नहीं है। तो कहीं ना कहीं हम सभी को ही सुरक्षा की जरूरत है।'

वर्कफ्रंट पर एक्ट्रेस पलक जायसवाल

फिल्म 'क्रैकडाउन' से अभिनय करियर की शुरुआत करने वालीं एक्ट्रेस पलक जायसवाल हाल ही में क्राइम सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' में नजर आई हैं। उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है। इसके अलावा उनकी झोली में कुछ और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट्स भी हैं जिनके बारे में अभिनेत्री फिलहाल कुछ बता नहीं सकतीं। हालांकि हम उम्मीद करते हैं कि वो इसी तरह से अपने काम के जरिए कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ती रहें।

बारिश के मौसम में मेकअप का ये

स्टाइल दे सकता है आपको ग्लैमरस लुक

बारिश के मौसम में खिली प्रकृति के साथ ही आपका सौंदर्य भी खिला, निखरा और ताजगी भरा नजर आए, इसके लिए आप सादगी भरा वॉटरप्रूफ 'न्यूड मेकअप' आजमा सकती हैं। मैंगूस मेकअप स्टूडियो की निदेशक रसिका वैश ने बारिश के मौसम के अनुसार सही मेकअप चुनने के लिए कुछ टिप्स दिए हैं, जो निम्न प्रकार हैं।

■ न्यूड मेकअप के लिए आपको हमेशा प्राइमर से शुरुआत करनी चाहिए। सबसे जरूरी यह है कि मस्कारे का प्रयोग मेकअप की शुरुआत और अंत में भी करना चाहिए।

■ शेड्स का चुनाव अपनी त्वचा की रंगत के अनुसार करें। गोरी रंगत के लिए पीच शेड का चुनाव करें। यह आपके चेहरे को ताजगी प्रदान करेगा। गेहुंआ रंगत के लिए गुलाबी रंग चुनें, जबकि गहरी रंगत के लिए कारमल शेड का मेकअप उपयुक्त रहेगा।

■ खूबसूरत और स्वाभाविक लुक के लिए अपनी त्वचा की प्राकृतिक रंगत के अनुसार फाउंडेशन का चुनाव करें। ज्यादा गहरा शेड न चुनें। अपनी त्वचा की रंगत से थोड़ा हल्का शेड चुनें और इसे अपने गालों, नाक के उभरे हिस्से, ठोड़ी और माथे पर लगाएं।

■ अगर आपकी त्वचा की रंगत गोरी है, तो बेहद हल्के रंग के शेड्स का चुनाव करें। यह आपको अधिक प्राकृतिक लुक देगा। गहरी रंगत के लिए पाउडर वाले फाउंडेशन का प्रयोग करें।

■ आदर्श न्यूड मेकअप के लिए आंखों के मेकअप में गुलाबी, पीच और कारमल शेड्स का प्रयोग करें। यह आंखों को बेहद आकर्षक लुक देगा।

■ होंठों के लिए ग्लॉस या मैटिक लिपस्टिक का प्रयोग करें।

■ बेहतर, ताजगी भरे और दीर्घकालिक प्रभाव के लिए आईशैडो पेंसिल की जगह, आईशैडो जेल का प्रयोग करें।

बारिश में न करें अपने स्टाइल से समझौता, इन टिप्स को ट्राई करें

देश के कुछ हिस्सों में मानसून दस्तक दे चुका है। जल्द दिल्ली भी मानसूनी फुहारों से भीगी होगी, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि आप इस मौसम की उमस को सोच कम फैशनेबल दिखें। जरूरत है, तो बस बदलते मौसम के अनुरूप परिधान-मेकअप चयन की।

ई-कॉमर्स फैशन पोर्टल स्टाइलटैग डॉट कॉम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) व संस्थापक संजय ग्रोक ने मानसून में तैयार होने में मदद करने वाले कुछ टिप्स दिए हैं।

कलर्स : 2016 का मानसून जानदार लेकिन हल्के रंगों के नाम रहेगा। गर्मी के मौसम के दौरान हल्के रंगों के कपड़े हमेशा अच्छे दिखते हैं, क्योंकि ये गर्मी के कुचालक होते हैं।

जूता ड्रेसेज : ट्यूनिक ड्रेसेज इस मौसम के लिहाज से हिट हैं। छोटे टॉप भी अच्छा विकल्प है। सादी शर्ट व क्रॉप टॉप्स पहनें, जो पहनने में आरामदायक हों। मानसून में पहने जाने वाले कपड़ों के लिहाज से कम लंबाई वाले कपड़े बहुत उपयुक्त होते हैं।

कपड़े की वैरायटी : पॉली नायलॉन्स, रेयान, नायलॉन व सूती मिश्रित कपड़े पहनें। डेनिम या ऐसे कपड़े न पहनें, जिनसे रंग निकलता हो। मुलायम सूती व पॉली-फैब्रिक सर्वश्रेष्ठ हैं। क्रेप या शिफॉन निर्मित परिधान पहनने से बचें, क्योंकि यह बारिश के मौसम के लिहाज से ठीक नहीं है और इनमें आसानी से सिलवटें पड़ती हैं। फूल-पत्तियों के छापे वाली ड्रेस अन्य विकल्प है।

एक्सेसरीज : अपने साथ वाटरप्रूफ बैग लेकर चलें, ताकि आईफोन, मेकअप का सामान, किताबें, वॉलेट आदि को बारिश से भीगने से बचा सकें। रंग-बिरंगा छाता व बरसाती कोट साथ रखें। अपने स्टाइल के मुताबिक किसी एक का चयन करें।

बाल एवं मेकअप : वातावरण में मौजूद नमी आपके बालों को उलझाऊ बना सकती है। बालों को उलझने से रोकने के लिए उनका जूड़ा या चोटी बनाकर रखें। वाटरप्रूफ काजल व आई-लाइनर भी जरूरी है। आप हल्के फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं, लेकिन कोशिश करें कि बरसात में फाउंडेशन न लगाएं।

जीवन में बदलाव जरूरी

लंबे समय तक एक ही काम या लाइफ एक ही तरह से चलते रहने से सबकुछ बोरिंग-सा लगने लगता है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आप कुछ हटकर या नया करें। पर अब सवाल उठता है कि ये नया क्या हो। कहीं सोच में पड़ गए न, परेशान न हों आपकी परेशानी का हल हमारे पास है। आइए, नजर डालते हैं जीवन में आने वाली बोरियत को दूर करने के कुछ उपायों पर

अगर आप नॉवल पढ़ने के शौकीन हैं तो सबसे अच्छा तरीका है कि वीकेंड पर अपने लंबे समय से पेंडिंग पड़ी नॉवल को खत्म कर दें। यकीन मानिए इसके बाद आपको काफी रिलैक्स फील होगा।

थोड़ा समय निकालें और कुछ देर कैलेंडर को देखकर अपनी आगे की छुट्टियां प्लान करें। चाहें तो हर वीकेंड कहां जाया जा सकता है ये भी प्लान कर सकते हैं। इस दौरान अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ जमकर मस्ती आपकी सारी थकान दूर कर देगी।

एग्जाम खत्म हो गए हैं, तो इसकी थकान मिटाने का बेस्ट तरीका है कि आप वो करें जो आपको सबसे ज्यादा पसंद है। घूमने जाएं, हेल्थ की टेंशन छोड़, जो पसंद है वो खाएं या फिर मूवी देखने जाएं।

अपने पुराने कमरे को छोड़कर कुछ दिन किसी और कमरे में रहें। आपके पास जिस नए होटल या रिसॉर्ट के ऑफर है, उन्हें अवेल करें। देखें वहां क्या नया है, वहां का इंटीरियर कैसा है। आप खुद को तरोताज़ा महसूस करने लगेंगे।

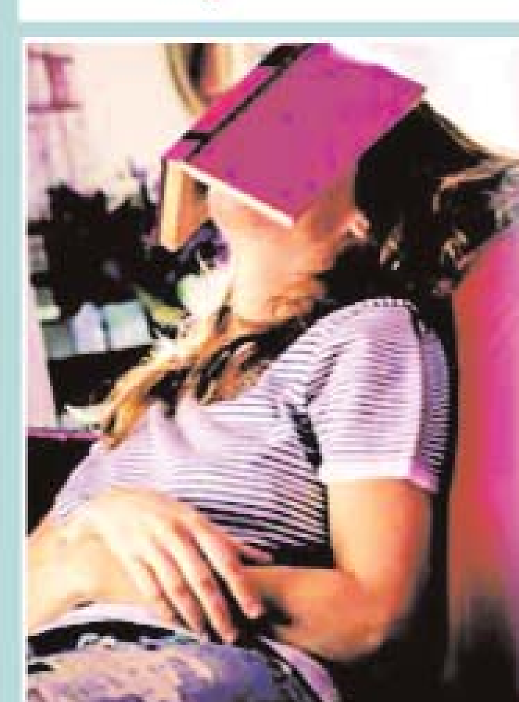

अगर घर में मौजूद हैं ये 5 चीज़ें

तो नहीं पड़ेगी पार्लर जाने की ज़रूरत

आप अपनी त्वचा की देखभाल कैसे करती हैं? बाजारू ब्यूटी प्रोडक्ट्स से या फिर नैचुरल सामान से? ये कहने की बात नहीं कि बाजार में मौजूद सौंदर्य प्रसाधनों से आपको इंस्टेंट निखार तो मिल जाता है। लेकिन लंबे समय के फायदे के लिए घरेलू नुस्खे ही कारगर साबित होते हैं। ये न तो खर्चीले होते हैं और न ही इनका कोई साइड इफेक्ट होता है।

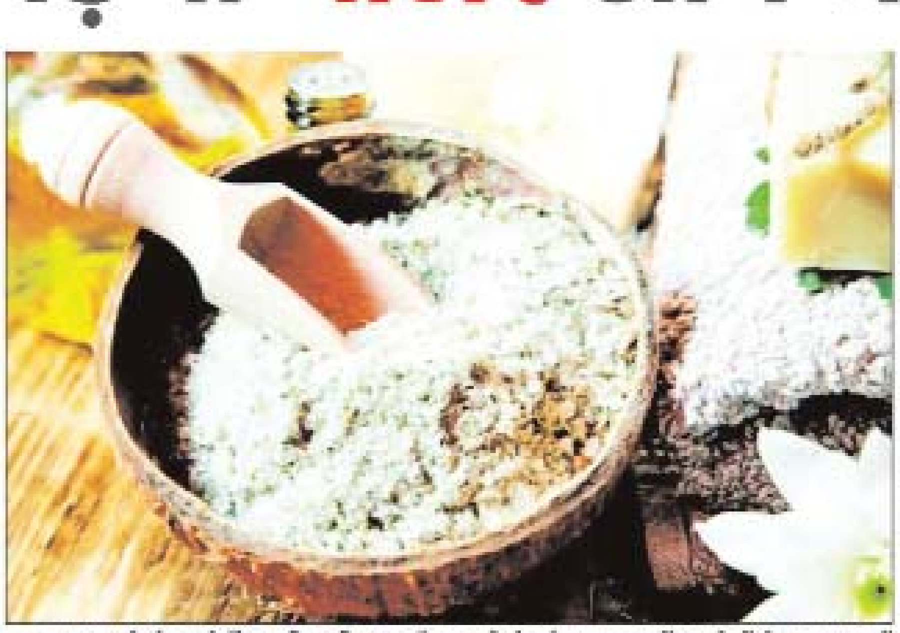

हम आपको ले चलते हैं एक क्विक ट्रिप पर और बताते हैं आप अपनी त्वचा की देखभाल उन चीजों से कैसे कर सकती हैं जो आसानी से फ्रिज में ही मिल जाते हैं-

1.अंडा : अंडे के सफेद भाग को अच्छे से फेंटकर अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद गर्म पानी से इसे साफ कर लें। हफ्ते में ऐसा 2 बार करें या फिर आप इसके सफेद हिस्से में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर 15 मिनटों तक चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद गर्म पानी से धो लें। इस नुस्खे से आपकी स्किन टाइट रहेगी और चेहरे पर मौजूद एक्स्ट्रा तेल भी निकल जाएगा।

2.नींबू का रस : एक चम्मच नींबू के रस में आधा चम्मच शहद और एक चम्मच दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। हर दिन ऐसा करते रहने से हफ्तेभर में आपकी स्कीन ग्लो करेगी।

3.दही : दही को हर दिन 15 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगाएं और ठंडे पानी से धो लें। ऐसा करने से न सिर्फ आपकी स्किन की सफाई होगी, बल्कि चेहरे को नमी भी मिलेगी, जो इन सर्दियों में जरूरी होती है।

4.सेब : आधे सेब को कद्दूकस कर एक-एक चम्मच दही और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक छोड़ दें। सूखने के बाद ठंडे पानी से धो लें। अगर आपके पास ज्यादा वक्त है तो सेब को छीलकर छोटे छोटे टुकड़ों में काटकर चेहरे पर रगड़ें। एक घंटे बाद गर्म पानी से चेहरा धो लें।

5.शहद : बराबर मात्रा में बादाम पाउडर और शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं। बिना स्क्रब किए इसे चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद अच्छे से चेहरा धो लें या फिर आप एक चम्मच नींबू के रस में आधा चम्मच शहद और दूध की कुछ बूंदें मिलाकर पेस्ट बना लें। चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखने के बाद धो लें। ये क्लींजिंग एजेंट की तरह असरदार है.

मूंगफली खाने से शिशु की हेल्थ को नहीं है कोई ख़तरा

लंदन। नवजात शिशु को प्रारंभिक अवस्था के दौरान मूंगफली से बने उत्पाद खिलाने से बच्चे के विकास या उसके पोषण पर कोई खराब असर नहीं होता। एक शोध में इसकी पुष्टि हुई है। मुख्य शोधार्थी लंदन के किंग्स कॉलेज मैरी फोर्ने का कहना है, निष्कर्षों से यह बात साबित होती है कि मूंगफली खाने से स्तनपान की अवधि पर कोई असर नहीं होता। हां, अगर नवजात को छह माह की उम्र से पहले ठोस खाद्य पदार्थ खिलाया जाए तो जरूर उसकी स्तनपान की अवधि पर असर पड़ सकता है।

यह शोध एलर्जी एंड क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी की ऑनलाइन पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शस डिजिजेज (एनआईएआईडी) के मार्शल प्लॉट का कहना है, इस शोध के निष्कर्षों से पता चलता है कि बच्चों को शुरुआत में ही मूंगफली युक्त खाद्य पदार्थ दिया जा सकता है, ताकि उनमें मूंगफली के प्रति एलर्जी पैदा न हो।

इससे पहले के एक शोध में पता चला था कि अगर बच्चों को शुरुआत में मूंगफली वाले खाद्य पदार्थ खिलाएं जाएं तो उनमें आगे चलकर एलर्जी का खतरा 81 फीसदी कम हो जाता है।

घूमने फिरने के हैं शौकीन, तो इन तरह के ट्रैवलर में से कौन से हैं आप ?

वैसे तो घूमने फिरने का शौक लगभग सभी को होता है। लेकिन ट्रिप को लेकर हमारी सोच अलग-अलग होती है। किसी के लिए ये दूसरे शहर या देश की संस्कृति, वहां की लोकप्रिय और खूबसूरत जगहों को देखने का मौका होता, तो कोई दुनियाभर के मशहूर जायकों का लुत्फ उठाने ट्रिप पर निकल जाता है। वहीं, कुछ ऐसे भी लोग होते हैं जो केवल अपनी रूटीन लाइफ की बोरियत भगाने के लिए दूसरे शहर जाकर वक्त बिताते हैं और होटल के रूम में रिलैक्स करना पसंद करते हैं।

कुछ लोग ऐसे होते हैं जो ट्रिप पर जाने से पहले ही अपना बजट तय कर लेते हैं, या पूरी रिसर्च करके घर से बाहर निकलते हैं। वहीं, कई ऐसे भी हैं जो बेफिक्र होकर, बिना किसी प्लानिंग के सैर सपाटे पर निकल जाते हैं। कुल मिलाकर दुनियाभर में 10 प्रकार के ट्रैवलर होते हैं। आप भी इस लिस्ट पर नज़र डालें और सोचें कि आप किस कैटेगरी में फिट बैठते हैं...

एडवांस प्लैनिंग करने वाले ट्रैवलर : ऐसे कई लोग हैं जो किसी भी ट्रिप पर निकलने से पहले होटल से लेकर फ्लाइट या ट्रेन की टिकट कटाकर रखते हैं।

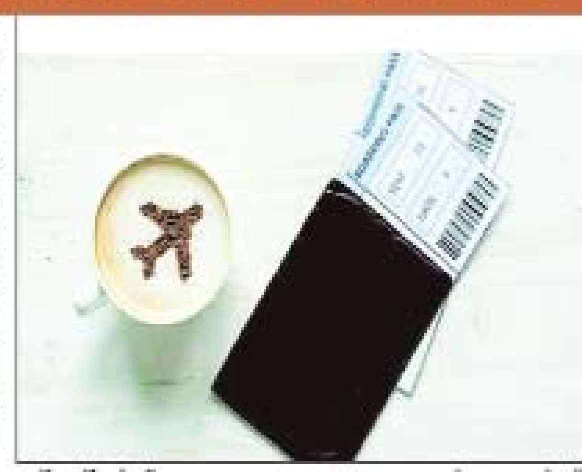

यहीं नहीं, वे ट्रिप का रूट, हर स्पॉट पर कितना टाइम बिताना है, आदि भी फिक्स करके रखते हैं। प्लान में किसी भी वजह से कोई भी बदलाव हो तो इनका मूड खराब हो जाता है।

बेफिक्र ट्रैवलर : ट्रिप पर जाना है, ये तो इन्हें पता होता। लेकिन कहां जाना है, कहां ठहरना है, कैसे जाना है, इसकी प्लानिंग ये आखिरी वक्त में करते हैं। जब जहां जैसा बंदोबस्त हो पाया, वे खुद को एडजस्ट कर लेते हैं और बेफिक्र होकर छुट्टियों का लुत्फ उठाते हैं।

टाइट बजट लेकर चलने वाले ट्रैवलर : ऐसे ट्रैवलर टिकट और तमाम बिल्स के लिए प्री-प्लान्ड बजट लेकर चलते हैं। शॉपिंग पर कितना खर्च करना है, खाने-पीने पर, किस होटल का कौन सा कमरा उनके बजट के लिए सही है, इन सबकी प्लानिंग भी ये करके रखते हैं।

अति ज्ञानी ट्रैवलर : किसी ऐतिहासिक जगह पर पहली बार जाने की सबसे खूबसूरत बात ये होती है कि हम खुद वहां जाकर अपनी आंखों से उसका दीदार करते हैं और वहां मौजूद लोगों से उसके बारे में जानकारी हासिल करते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो सामान पैक करने से पहले उस जगह के बारे में जानकारी भी पैक कर लेते हैं। वो अकेले हों, तो ही ठीक। वर्ना ट्रिप पर साथ जा रहे लोगों की एक्साइटमेंट भी अपने ज्ञान से खत्म कर देते हैं।

सोलो ट्रैवलर : ऐसे लोग ज्यादातर ऐसी जगहों को चुनते हैं जहां ज्यादा भीड़ भाड़ न होती हो, ऐसी जगह जहां वह खुद को भी जानने-समझने का मौका मिल सके। इन्हें खूबसूरत वादियों या किसी ऐतिहासिक शहर में अकेले घूमना पसंद है। इनकी कोशिश होती है कि दोस्तों की गैंग या परिवार के सदस्यों के साथ न जाकर, खुद ही किसी भी जगह को एक्सप्लोर करने निकला जाए।

आइडियल टूरिस्ट : ऐसे लोगों का एक ही मिशन होता है, जहां भी घूमने जाए हैं वहां की हर एक चीज़ देखनी है। लोकप्रिय जगहों पर तो ये जाएंगे ही, उस शहर की लो प्रोफाइल गलियों को भी ये नहीं छोड़ते। मैप और जीपीएस तो इनके पास होता ही है, जरूरत पड़े तो ये गाइड की मदद भी लेते हैं।

कल्चर वॉर्म : कई ऐसे ट्रैवलर हैं जिन्हें ऐतिहासिक जगहों पर घूमना, उनकी तस्वीरें लेना खूब पसंद है। वहां का खानपान, पुराने किस्से, त्योहार का हिस्सा बनना इन्हें अच्छा लगता है।

एकमुश्त समाधान योजना के तहत बकाया ऋण जमा कराने पर ब्याज एवं पेनल्टी पर पाएं छूट

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। राज्य सरकार के बजट घोषणा 2025-26 के तहत प्रदेश में पहली बार राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी वर्ग, दिव्यांगजन एवं अन्य पिछड़ा वर्ग में विगत 31 मार्च तक वितरित किए गए ऋणों पर राहत प्रदान करते हुए अतिदेय मूलधन देय राशि 30 सितम्बर तक जमा कराए जाने पर अतिदेय ब्याज एवं शास्ति अथवा पेनल्टी की राशि पर शत प्रतिशत छूट दी जाएगी। परियोजना प्रबंधक राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड मनीराम शर्मा ने बताया कि जिले के ऐसे ऋणी जिन्होंने अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास निगम कार्यालय से स्वरोजगार के लिए ऋण लिया है, ऐसे समस्त बकायादार ऋणी एकमुश्त समाधान योजना का लाभा उठा सकते है। उन्होंने बताया कि योजना का प्रथम चरण 1 मई से 30 सितम्बर तक लागू रहेगा। योजना का द्वितीय चरण के तहत 1 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक केवल दण्डनीय ब्याज माफ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए परियोजना प्रबंधक अनुजा निगम कार्यालय कलक्ट्रेट परिसर धौलपुर के कमरा नम्बर 17 एवं 18 में जाकर सम्पर्क कर सकते है।

कूकरा माकरा पुलिया के पास से पुलिस ने बैककर्मी बन ग्रामीणों के खाते खोलते हुऐ दो युवकों को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। आईजी रेंज भरतपुर राहुल प्रकाश के निर्देशन में रेंज भरतपुर में साइबर ठगो के विरूद्ध एंटी वायरस अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस ने दो साइबर ठगो को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से बैंक में खाता खोलने की मशीन समेत एटीएम कार्ड और सिम बरामद की है। कार्यवाही को लेकर थाना अधिकारी मुनेश कुमार ने बताया कि आरोपी अपनी गिरोह के अन्य सदस्यो के साथ मिलकर जिले के डांग क्षेत्र के गाँव-गाँव में जाकर बैककर्मी बनकर लोगो को सरकारी योजना में हर व्यक्ति के बैंक खाते में 1300-1300 रूपये हर महीने आने की कहकर अपने साथ लाई गई फिनो पैमेन्ट बैंक की किट से फिनो मित्रा एप में स्वंय के पास रखी सिमो में से मोबाईल नम्बर को उस एकाउन्ट में लिंक कर उस व्यक्ति का खाता खोलते और एटीएम का पिन जनरेट कर पूरी किट का बाद में जरिये डाक आने की बोलकर उस खाते की पूरी किट को अपने साथ ले जाते जिसके बाद उन खातो का उपयोग लोगो के साथ साईबर फ्रॉड कर ठगी की राशि को डलवाने एवं जरिये एटीएम से निकलने का काम करते थे। पुलिस ने एसपी सुमित मेहरड़ा के निर्देश पर हरिओम पुत्र मोहन सिहं गुर्जर निवासी सहराना मुरैना और रिषी पुत्र अमर सिहं गुर्जर निवासी अमोलपुरा कुआखेडा बड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 35 कार्ड, 19 कॉम्बो फिंट मिनी पेमेंट बैंक, 45 सिम कार्ड सहित अन्य सामग्री को जप्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ करने में जुट गई है।

सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलो प्रीमियर लीग का धमाकेदार आगाज

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.)। जयपुर शहर एक बार फिर खेल के जोश और सामाजिक ऊर्जा से भर गया है आज सवाई मानसिंह स्टेडियम में KPL सीरीज 007 खेलो प्रीमियर लीग का भव्य आयोजन 5 से 8 जून 2025 तक किया जा रहा है इस आयोजन की ओपनिंग सेरिमनी 30 मई को पूर्णिमा इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज में आयोजित की गई थी द्य जिसकी मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा थी 5 से 8 जून तक चलने वाले इस मुख्य टूर्नामेंट का फाइनल 8 जून को होगा इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीम भाग ले रही है जिसमे पुरुषों की टीम, महिलाओं की टीम बच्चों के मैच और सीनियर मैच शामिल है फाइनल में जीतने वाली टीम को इलेक्ट्रिक स्कूटी उपहार स्वरुप दी जाएगी आयोजन समिति के सुरेश पाटोदिया अंकुश डगायच, जितेंद्र खंडेलवाल अंकित गुप्ता रितेश खंडेलवाल नवनीत खंडेलवाल रवि खंडेलवाल है आयोजन समिति के सुरेश पाटोदिया ने बताया कि समापन समारोह के दिन पुरुष मैच महिलाओं के मैच व बच्चों के मैच भी करवाए जाएंगे इस लीग मे राजस्थानी संस्कृति नेटवर्किंग और स्पोर्ट्स को एक साथ मनाने का प्रयास कर रहे है फाइनल के दिन शहर के सभी गणमान्य नागरिक व्यापारी और खेल प्रेमियों को आमंत्रित किया गया है KPL सीरीज 007 न केवल एक खेल टूर्नामेंट है बल्कि यह जयपुर की आत्मा, उत्साह और एकता का प्रतीक है।

अध्यक्ष रामरतन मालू की अगुवाई में हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया महेश नवमी पर्व

जयपुर टाइम्स

नरैना(निसं)। माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी पर्व समाज के अध्यक्ष रामरतन मालू की अगुवाई में समाज बंधुओ की गरिमामई उपस्थिति में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ सुभाष चौक स्थित माहेश्वरी भवन में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर महेश वंदना के साथ हुआ। इस दौरान समाज के

प्रतिभावान विद्यार्थियों व अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कटला बाजार निवासी महेश पुत्र स्व. बृजमोहन मालू की तरफ से पारितोषिक वितरण किए गए। इस दौरान अध्यक्ष रामरतन मालू ने समाज का वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा समाज बंधुओ के सामने प्रस्तुत किया। सांय भोग लगाकर आरती कर समाज बंधुओ ने सहभोज किया। इस दौरान समाज अध्यक्ष रामरतन मालू, सचिव सुरेश राठी, महिला मंडल अध्यक्षा मीनाक्षी राठी, राकेश सोढ़ानी, द्वारका प्रसाद आगीवाल, अशोक,रमेशचंद-राजेश मोदानी, कैलाश चंद तेला, अशोक-अरूण मोदानी, ओमप्रकाश मालू, मनोज मंत्री, अतुल मालू सहित माहेश्वरी समाज के गणमान्यजन व नवयुवक मंडल सदस्य उपस्थित रहे। नवयुवक मंडल सदस्यों ने कार्यक्रम की व्यवस्थाएं संभाली। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए अध्यक्ष रामरतन मालू ने टीम सदस्यों सहित समाज बंधुओ का आभार व्यक्त किया।

सूदखोर मामले में कार्यवाही नहीं होने से मायूस पीड़ित परिवार ने आईजी के समक्ष पेश होकर लगाई न्याय की गुहार

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जिले के कोतवाली थाना थाना क्षेत्र के सागर पाड़ा निवासी पीड़ित परिवार ने भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश के समक्ष पेश होकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवार का आरोप है, कि कोतवाली थाना पर मामला दर्ज होने के 10 माह बीत जाने के बाद भी पुलिस के द्वारा प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा को न्याय के मामले में गरीबों का मसीहा कहा जाता है। सैकड़ों फरियादी हर रोज न्याय की उम्मीद लेकर एसपी कार्यालय पहुंचते है। जहां उनको न्याय दिया जाता है। लेकिन सूदखोरों के खिलाफ कोतवाली थाना पुलिस के द्वारा कार्यवाही नहीं करना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। मामला 25 अक्टूबर 2024 का है। पीड़ित के द्वारा कोतवाली थाना पर कराए गए नामजद मामला दर्ज में बताया था कि पीड़ित के भाई आफताब उर्फ आबदार के द्वारा जरूरत पड़ने पर एक लाख चालीस हजार रैफर उधार लिए गए थे। जिसके बदले में 2.50 लाख रूपये चुका दिए गए थे। सूदखोर मुन्ना और धीरा के द्वारा एक लाख चालीस हजार रूपये की मांग की जा रहा थी। आरोपियों के द्वारा मृतक की पत्नी को उठाने की धमकी दी गई थी। जिसके कारण युवक ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था। पीड़ित परिवार ने बताया कि मृतक सुसाइड से पूर्व एक सुसाइड नोट लिखकर छोड़ गया था। मृतक के भाई युनुस के द्वारा नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों के द्वारा दर्ज मामले में राजीनामा का दबाव बनाया जा रहा है। मामले को लेकर एसपी सुमित मेहरड़ा से 2 बार मुलाकात कर कार्यवाही की मांग की गई। लेकिन अभी तक कार्यवाही नहीं की गई है। आईजी ने मामले में जल्द कार्यवाही का आश्वाशन दिया है।

बड़ा खेत की ढ़ाणी श्रीरामपुरा में बालाजी महाराज का मेला भरा लोगों ने झूले चकरी के लिये आनंद

बालाजी महाराज के दरबार में मेले में कहीं गांवों के लोग पहुंचे

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निसं.)। ज्येष्ठ शुक्ल गंगा दशमी पर ग्राम पंचायत लाखना के श्रीरामपुरा गांव में स्थित बड़ा खेत की ढ़ाणी के बालाजी महाराज का वार्षिक मेला भरा। मेले में दो दर्जन से ज्यादा गांवों से श्रद्धालु पहुंचे। श्रीराम विकास सीमिति ने बताया की पानी, पार्किंग, यातायात, स्टेज, और भजन संध्या की पूरी व्यवस्था सीमिति ने की। बालाजी महाराज की झांकी फुलों से सजाई गई।समिति ने चोला चढ़ाया। ग्रामीणों ने भोग लगाया। समिति अध्यक्ष ने बताया कि मेले में दुकानदारों ने कई तरह की स्टांल लगाई । बच्चों के खिलौने, महिला के घरेलू सामान सहित अन्य चीजों की बिक्री हुई। मनोरंजन के लिए चकरी झूला लगाया गया। रातल्या,मनोहरियावाला, सीताराम पूरा, बाला वाला ,अचरावाला,तेजवाला, लांखना, जाटावाला , श्रीरामपुरा, डाबला, गणेशपुरा, राम नगरिया,बाण्यावाली सहित कई गांवों से श्रद्धालु पहुंचे। पं लालचंद शर्मा ने बताया की यह मेला पिछले 20 वर्षों से लग रहा है । देर रात तक श्रद्धालु ने भजनों का आनंद लेते रहे।

आमजन की सहभागिता से वन्दे गंगा जल संरक्षण अभियान को जन अभियान बनाना है- विजय सिंह

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) प्रदेश में भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन के प्रमुख उद्देश्यों के दृष्टिगत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को "वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान" का शुभारम्भ राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी के मुख्य आतिथ्य में ग्राम सांगटेड़ा के पीला जोहड़ से किया गया। कार्यक्रम में कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत, नगर परिषद सभापति पुष्पा सैनी, प्रभारी सचिव एवं प्रबंध निदेशक राजस्थान ऊर्जा विकास एवं आईटी सर्विसेज लिमिटेड ओमप्रकाश कसेरा, जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल, जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत, उपखंड अधिकारी कोटपूतली एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी बृजेश कुमार चौधरी, अधीक्षण अभियंता वॉटर शेड हरिमोहन बैरवा सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलायें, बच्चे व आमजन मौजूद रहे। वन्दे गंगा अभियान की शुरुआत सांगटेड़ा के पीला जोहड़ पर प्रभारी मंत्री एवं विधायकगण व अधिकारीगण द्वारा विधिवत जल व वृक्ष पूजन एवं द्वीप प्रज्जवलन के साथ की गई। इसके पश्चात पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुये पीपल, नीम, बरगद का पौधारोपण किया गया एवं अधिकाधिक लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक कर उनकी नियमित देखभाल करने को कहा। महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली एवं स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। अतिथियों ने महिलाओं व बच्चों को तुलसी पौधे का वितरण किया। अभियान के पोस्टर का विमोचन व एंडिंग प्लास्टिक पॉल्यूशन का संदेश देने के लिए जुट के बने बैग्स का वितरण किया गया। साथ ही बच्चों द्वारा अभियान के तहत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसे अतिथियों द्वारा सराहा गया। साथ ही प्रभारी मंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद समूह को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया। जिला प्रभारी मंत्री ने आमजन को सम्बोधित करते हुये कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के शुभ संयोग पर आज से इस अभियान की शुरूआत हो रही है। अभियान में हमारी गौरवशाली संस्कृति में निहित पर्यावरण संरक्षण के पुनीत कार्यों का व्यापक रूप से आयोजन किया जायेगा और आमजन को पर्यावरण की महत्ता के प्रति जागरूक भी किया जायेगा, जिससे यह अभियान जन आंदोलन बन सकें। मानसून में वर्षा जल के अधिक से अधिक संग्रहण एवं विद्यमान जल स्रोतों के रखरखाव एवं स्वच्छता हेतु 05 से 20 जून तक पूरे राज्य में चलने वाले वंदे गंगा, जल संरक्षण अभियान को जन आंदोलन बनाना है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अधिकाधिक वृक्ष लगायें। राज्य सरकार के पिछले अभियान में 07 करोड़ से अधिक वृक्ष लगाकर सरकार ने एक कीर्तिमान स्थापित किया है। इस बार और अधिक संख्या में पेड़ लगाने हेतु अभियान का हिस्सा बने, उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है, पानी की एक- एक बूंद बचायें, वर्षा जल संरक्षण के उपाय अपनायें। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि इस अभियान में सबका श्रम, सबकी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कुएं, बावड़ी, तालाब, टांकों और वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर की साफ सफाई को लेकर जनप्रतिनिधियों के अलावा महिलाओं, युवाओं, किसानों, पत्रकारों, पुलिस, एनसीसी, सिविल डिफेंस, एनजीओ, विभिन्न सामाजिक संगठनों समेत सभी वर्गों को आमंत्रित किया जायें और उन्हें अभियान से जोड़ा जायें। ताकि हम वर्षा जल का अधिक से अधिक संग्रहण कर सकें। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रचार प्रसार को लेकर प्रदेश भर में रथ यात्रा, कलश यात्रा, नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी समेत विभिन्न एक्टिविटी की जायेगी, जिनका जिला, उपखण्ड व ग्राम स्तर पर भी आयोजन किया जायेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) यहाँ के राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों ईकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में पर्यावरण की गुणवता में मानवीय गतिविधियों के कारण निरन्तर अवनयन हो रहा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में वृक्षारोपण को मूल मंत्र बताया। उन्होंने स्वयंसेवकों एवं समस्त संकाय सदस्यों को वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए अपने आसपास के क्षेत्रों में खाली भूमि एवं गोचर भूमि पर अधिकाधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अन्य लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए जागरूक करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। इस मौके पर अरण्य उद्यान में प्राचार्य के नेतृत्व में पेड़ पौधे लगाये गये। इस दौरान प्रो. मधु नागर, प्रो.बबीता, प्रो.शीशराम यादव, प्रो. देशराज यादव, प्रो. कपूर चन्द वर्मा, प्रो. बाबूलाल मीणा, प्रो.गजराज सिंह, प्रो.हरिराम धनेटिया, प्रो.रघुवीर सिंह, प्रो. मालीराम मीणा, प्रो.आलेख कौडिन्य, प्रो. सुधीर यादव, प्रो.खेमचन्द गुर्जर, प्रो. नन्दलाल गुर्जर, प्रो.बरखा, प्रो. सुभाष चन्द यादव समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एचपीसीएल सुविधा केंद्र बिलोंची में किया गया पौधारोपण

जयपुर जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाईवे पर स्थित आमेर उपखंड के बिलोंची गांव स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के सुविधा केंद्र पर विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षा भी जगदीश मुवाल ने इस दौरान प्रकृति संरक्षण के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अगुवाई सुविधा केंद्र मैनेजर बनवारी कालावत और महेंद्र यादव ने की। कार्यक्रम में शिक्षाविद् जगदीश जाट, ठेकेदार जयसिंह मीणा, जगपाल सिंह राठौड़, और डॉ. शशिकांत शर्मा समेत अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पौधारोपण के दौरान सभी ने पर्यावरण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में हर व्यक्ति को प्रकृति के संरक्षण के लिए जागरूक होना चाहिए। सेल्समैन कैलाश चंद जाट, भागीरथ जाट, अर्जुन लाल जाट, गोपाल मीणा आदि का सहयोग उल्लेखनीय रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया।

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :—न.प.सु/सफाई शाखा/2025/1911 दिनांक :— 30.05.2025

—: ई—निविदा सूचना—2025—26:—

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 13.06.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2526WSOB06557) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/3644 नगर परिषद सुजानगढ

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :—न.प.सु/स्टोर शाखा/2025/1951 दिनांक :— 02.06.2025

निविदा सूचना – 2025

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मस से निविदा दिनांक 09.06.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रतियां दिनांक 09.06.2025 को दोपहर 2:00 बजे तक विक्रय की जावेगी प्राप्त निविदायें उसी दिन उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष सायं 4:00 बजे खोली जावेगी। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक—(DLB2526GSOB06542) कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/3643 नगर परिषद सुजानगढ

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :—न.प.सु/सफाई शाखा/2025/1994 दिनांक :— 03.06.2025

निविदा सूचना – 2025

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मस से निविदा दिनांक 10.06.2025 को दोपहर 2:00 बजे तक विक्रय की जाकर उसी दिन 3:00 बजे तक प्राप्त कर उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष सायं 4:00 बजे खोली जावेगी। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक—(DLB2526SSOB06596), (DLB2526SSOB06597), (DLB2526SSOB06598) कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/3642 नगर परिषद सुजानगढ

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड -सुजानगढ़
E-Mail :- eesuj.chu.phed@rajasthan.gov.in .
क्रमांक- अअ / जनस्वा. / निलामी / 25-26/529-536 दिनांक- 27/05/2025

निलामी सूचना 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत उपखण्ड तेहनदेसर के अधीन जीर्ण-शीर्ण स्वीच रूम पंचायत भवन के पास एवं जीर्ण-शीर्ण स्वीच रूम गैंगहट पंचायत भवन के पास आम गुवाड़ कातर छोटी में विभागीय परि-सम्पतियों को सार्वजनिक निलामी द्वारा निस्तारित किया जाना है की नीलामी, "जहां है जैसा है" के आधार निलामी समीति द्वारा दिनांक 11-06.2025 को दोपहर 01.00 बजे खुली बोली द्वारा विभागीय परि-सम्पतिया निस्तारित की जावेगी । इच्छुक बोलीदाता दिनांक 11.06.2025 को दोपहर 01.00 बजे नीलामी में भाग ले सकता है। सफल बोलीदाता को नीलामी राशि का 25 प्रतिशत तत्काल एवं शेष राशि सात दिवस की अवधि में जमा करवाना होगा। निलामी उपरान्त सफल बोलीदाता को अपने खर्चे पर विभागीय परि-सम्पतियों का सात दिवस में निस्तारण करना होगा । निलामी समिति को निलामी स्थगित करने एवं रदद् करने का पूर्ण अधिकार होगा ।

क्र.सं.	विभागीय परि-सम्पतियों की संख्या	प्राप्त होने वाली अनुमानित राशि	निलामी की दिनांक	यूबीएन नम्बर
1.	02	0.06 लाख	11.06.2025	PHE 2526 WSOB 02065

(कैलाशचन्द माली)
अधिशाषी अभियन्ता,
स्वा.अभि.विभाग, खण्ड- सुजानगढ़
DIPR/C/7161/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू
क्रमांक- 777-798 दिनांक- 27-05-2025

ई-निविदा सूचना संख्या- 04/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरु में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर. पी डब्लयू. ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईट Uhttp://eproc.rajasthan.gov.inThttp://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No.-PWD2526A0851

S.No. UBN NO.
1. PWD2526WSOB02730

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू
DIPR/C/7127/2025

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)
Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504
क्रमांक:- न.पा.रा. / 2025-26/979 दिनांक- -4-6-2025

प्रारूप-13 (नियम 13(2) देखिये)
लोकसूचना

अद्योहस्ताक्षरी की जानकारी मे लाया गया है कि निम्न वर्णित खातेदारी कृषि भूमि या उसके भाग का गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिये उक्त भूमि या उसके भाग क खातेदारों / वारिसान/ हितधारी व्यक्तियों का एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आपकी सहमति / असहमति से या आपके द्वारा जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र / इकरारनामा भूमि हस्ताक्षरित होने के कारण उक्त हिताधारियों या आपके द्वारा इसका अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग में ले लिया गया है।

उक्त कारण आपका एवं आपके पश्चातवर्ती हस्तान्तरियों का कृत्य राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 (क) के विपरीत होने के कारण आपके खातेदार अधिकार उक्त अधिनियम की धारा 90 (क) (5), (8), 13 (5) सपठित धारा 91 के पदधीन बनाये गये नियमों के उपबंधो के प्रावधानों के अन्तर्गत राज्य सरकार से पुनर्ग्रहण योग्य है।

अत: क्यो नही आपकी खातेदारी की निम्न वर्णित भूमि के खातेदारी अधिकारों को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 (क) (5) (8), 13 (5) सपठित धारा 91 के अन्तर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुये पर्यावर्सित कर राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित कर लिया जावे। यदि किसी खातेदार/हितधारक को आपति/आक्षेप है तो इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष सार्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगें। उपर्युक्त नियत समय के पश्चात् किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आपति/आक्षेप नही है एवं तदानुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मूहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गई।

नगरपालिका राजलदेसर में स्थित भूमि के खसरो का विवरण अकृषि कार्यो में लिया जा रहा है
खसरा नम्बर- 1286

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिका राजलदेसर

शेखावाटी जयपुर टाइम्स
जयपुर, शुक्रवार
6 जून, 2025

मरूधरावासियों का पर्यावरण के प्रति दिखा संकल्प

लक्ष्मणगढ़।

तारानगर।

मण्डावा।

बीदासर।

सरदारशहर

सरदारशहर

धौलपुर

सुजानगढ़।

सुजानगढ़।

पावटा।

रतननगर।

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सम्पूर्ण प्रदेश में गुरुवार को शुरू हुए वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान अंतर्गत जिलेवासियों का पर्यावरण के प्रति संकल्प दिखा। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिलेभर में वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित हुई। इन गतिविधियों में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, मीडियाकर्मियों, विद्यार्थियों की सामुदायिक भागीदारी के साथ संकल्पित प्रयास रहे। जिले में अभियान का रतनगढ़ ब्लॉक की जांदवा ग्राम पंचायत के मोलीसर छोटा स्थित भूलाना जोहड़ा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर भूलाना जोहड़ा के लोकार्पण कार्यक्रम में महिलाओं ने मंगलाचार गाए व जल पूजन कर जल संस्कृति का परिचय दिया। इसी क्रम में जिला मुख्यालय पर नेचर पार्क में विश्व पर्यावरण दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पौधरोपण व प्लास्टिक मुक्त प्रदेश बनाने की मुहिम का हिस्सा बनने का संकल्प लिया। जिले के सभी ब्लॉकों में अभियान का शुभारंभ करते हुए संकल्पित प्रयास दिखे। सुजानगढ़ पंचायत समिति की जैतासर, भीमसर, मलसीसर, कोलासर, गोपालपुरा व भानीसरिया तेज. ग्राम पंचायत में ग्रामीणों ने जलपूजन, कलश यात्रा व व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए। इसी क्रम में सरदारशहर में वन विभाग व नगरपरिषद की ओर से श्रमदान व वृक्षारोपण, कंवलासर में जल पूजन, पीएचईडी विभाग की ओर से श्रमदान, तारानगर नेचर पार्क में कार्यशाला व पौधरोपण, रैयाटुण्डा में जनसहयोग से माइनर की सफाई, बीदासर की ढाणी कालेरा में जल पूजन व श्रमदान, ढढेरू भामुवान में जल पूजन, बीदासर नगरपालिका की ओर से श्रमदान व पौधरोपण, सांडवा नर्सरी में स्वच्छता कार्य, पौध वितरण व श्रमदान, ऊंटालड़ में अमृत सरोवर पर श्रमदान, जल पूजन, शपथ व पौधरोपण कार्यक्रम, कृषि विभाग की ओर से कार्यशाला, आयुर्वेद विभाग की ओर से योगाभ्यास कार्यक्रम, शिक्षा विभाग की ओर से निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता, चूरू नगरपरिषद की ओर से नगरपरिषद कार्यालय से इंद्रमणी पार्क तक स्वच्छता रैली, रतननगर में पौधरोपण व जागरूकता रैली, राजलदेसर नगरपालिका में वृक्षारोपण व श्रमदान कार्यक्रम, सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान, छापर नगरपालिका द्वारा चौपड़ा बाजार से गांधी सरोवर तालाब पर वृक्ष पूजन, पौधरोपण व तालाब की सफाई आदि गतिविधियां आयोजित की गईं।

लक्ष्मणगढ़। ब्लॉक स्तरीय वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान का गुरुवार को लव कुश वाटिका में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में शुभारंभ समारोह आयोजित हुआ। ग्राम पंचायत हमीरपुरा की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित समारोह में श्रमदान कर पौधारोपण किया गया। जल संरक्षण के संकल्प के साथ 5 जून से 20 जून तक आयोजित अभियान का समारोह पूर्वक आगाज किया गया। आयोजित समारोह में उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीणा, तहसीलदार फारूक अली, पंचायत समिति की विकास अधिकारी रोमा सहारण, वन विभाग की रेंजर दुर्गा हुड्डा, मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश कुमार कस्वां, पंचायत समिति के अतिरिक्त विकास अधिकारी मांगीलाल सैनी, सहायक अभियंता विरेन्द्र चाहर,शहर पुलिस चौकी प्रभारी रामदेव सिंह मावलिया, ग्राम पंचायत हमीरपुरा के सरपंच बनवारी ढाका, जिला परिषद सदस्य बनवारी ढाका, एडवोकेट बाबूलाल ढाका मंचस्थ अतिथि रहे। ग्राम पंचायत,वन विभाग, पंचायत समिति के अधिकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि व मौजीज लोगो सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

तारानगर। उपखंड प्रशासन व वन विभाग की ओर से गुरुवार को तारानगर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर सरदारशहर राजगढ़ हाइवे पर स्थित नेचर पार्क में ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नेचर पार्क में पौधारोपण किया गया। अतिथियों को तुलसी के पौधे भेंट किए व पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार ने सम्पूर्ण प्रदेश में गंगादशमी के अवसर पर प्रारंभ हुए वंदे गंगा –जल संरक्षण जन अभियान की जानकारी दी। प्रधान संजय कस्वां ने कहा हमें जल का बचाव करना चाहिए, बून्द बून्द पानी की बचत करनी चाहिए ताकि भविष्य में हमें पानी की समस्या से न जूझना पड़े। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने कहा पर्यावरण दिवस पर पर हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी सार संभाल करने का प्रण लेना चाहिए जिससे हमारा पर्यावरण शुद्ध रहे। क्षेत्रीय वन अधिकारी सुरेन्द्र सिँह ने कहा कि हमारी पीढ़ी में पर्यावरण संरक्षण की सोच विकसित करें। हम सभी संकलिप्त होकर जल संरक्षण के लिए प्रयास करें। विकास अधिकारी विनोद कुमार धायल ने कहा कि वर्तमान में घटते भूजल स्तर के लिए हमें गंभीरता से चिंतन करना होगा और घरों संस्थाओं व सार्वजनिक स्थानों पर कुंडो में टांको का निर्माण कर उनका संरक्षण संवर्द्धन करना होगा। फोरेस्टर सुनील बागड़ी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुचामन डिफेन्स एकेडमी व राजकीय महिला पीजी महाविद्यालय बच्चों का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर एडीजे कोर्ट के पीपी पंकज स्वामी, अधिशासी अधिकारी अजय प्रताप सिंह, अमरसिंह चारण, सीबीईओ बबलेश शर्मा, आईजीएनपी अधिशाषी अभियंता प्रभुसिंह, सरपंच धर्मवीर सिँह राठौड़, राजेन्द्रसिंह, महेन्द्र बुड़ानिया, तानसिंह, राजवीर, अनिता, सुनीता, पिंकेश, अंजू, पूनम, धर्मपाल खोथ, भगवानदास स्वामी सहित उपखंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी व वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मण्डावा। झुंझुनूं जिले में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का जिलास्तरीय शुभारंभ जिले के मंडावा क्षेत्र के तेतरा गांव से हुआ। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत और प्रभारी सचिव अनिल कुमार अग्रवाल ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं की भव्य कलश यात्रा से हुई, जिसमें ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर और सिर पर मंगल कलश लिए जल संरक्षण के प्रति सहभागिता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर "कर्मभूमि से मातृभूमि" पहल के तहत वर्षा जल संरक्षण की एक महत्वपूर्ण संरचना का भी उद्घाटन किया गया, जो जिले में जल संचयन को बढ़ावा देने की दिशा में एक ठोस कदम है। कार्यक्रम के दौरान जैसे ही जलाशय पूजन और श्रमदान का कार्य शुरू हुआ, आसमान से हल्की बूंदाबांदी भी शुरू हो गई, जिसे सभी उपस्थित लोगों ने अभियान की सफलता का शुभ संकेत माना। इस जन अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए जनसहभागिता को केंद्रीय बिंदू में रखा गया है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को जल बचाने की शपथ दिलाई गई और यह संदेश दिया गया कि यह प्रयास केवल एक पखवाड़े तक सीमित न रहकर एक निरंतर जनआंदोलन बने। इस पखवाड़े के दौरान जिले भर में जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें जलाशयों की सफाई, श्रमदान, पौधारोपण और जागरूकता शिविर शामिल होंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि जल ही जीवन है और इसका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वंदे गंगा अभियान केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि जनसहभागिता से चलने वाला एक सामाजिक आंदोलन है। तेतरा गांव से इसकी शुरुआत होना गौरव का विषय है, क्योंकि यहां की जनता में जल के प्रति

चूरू।

गहरी संवेदनशीलता और चेतना है। प्रभारी सचिव अनिल कुमार अग्रवाल ने इस अवसर पर बताया कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत झुंझुनूं जिले में आगामी दिनों में 51 जल संरक्षण कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। इन कार्यों के माध्यम से जल संचयन, भूजल रिचार्ज और जल स्रोतों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे जिले में पानी की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। कार्यक्रम के जिला संयोजक विशंभर पूनिया ने कहा कि, "वंदे गंगा अभियान जन भागीदारी आधारित प्रयास है, जिसका उद्देश्य समाज को जल संकट के प्रति जागरूक करना और स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना है। कार्यक्रम में झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, जिला कलेक्टर रामावतार मीणा, जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, नरेंद्र कुमार, बनवारी लाल सैनी, प्यारे लाल ढूकिया, पूर्व प्रधान सुशीला सीगड़ा, दिनेश धाबाई, विश्वम्बर पूनिया, पूर्व गिरधारीलाल खीचड़ महेन्द्र, मुरारी सैनी, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बीदासर। वंदे गंगाजल संरक्षण जन अभियान उपखंड स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को ग्राम पंचायत ढाणी कालेरान से किया गया। इस दौरान महिलाओं की ओर से कलश यात्रा निकालकर अमृत सरोवर तालाब का पूजन किया गया। वही ग्रामीणों ने श्रमदान किया। उपस्थित ग्रामीणों को वंदे गंगाजल जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई और ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। अतिथियों की ओर से पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में प्रधान संतोष मेघवाल, उपखंड अधिकारी अमीलाल यादव, विकास अधिकारी राजूराम, सरपंच धर्मवीर पुनिया, मनोज कुमार लूणा, सहायक अभियंता इंद्रपाल नायक, सहायक अभियंता जल संरक्षण ज्योति, सहायक विकास अधिकारी हंसराज मीणा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चरण सिंह घोटड सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

सरदारशहर(निस)। विश्व पर्यावरण दिवस पर एसबीडी राजकीय महाविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स एवं वनस्पति विभाग की ओर से पौधरोपण किया गया। लेफ्टिनेंट कमलेश जोशी ने बताया कि पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से वन्दे गंगा जलसंरक्षण - जन अभियान शुरू किया गया। इस अभियान के तहत जल संरचनाओं का जीर्णोद्वार, भूजल पुर्नभरण, जलप्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ-साथ राजस्थान में हरियालो राजस्थान की तैयारी शुरू की। वनस्पति शास्त्र प्रभारी डॉ सिद्धि गुप्ता ने औषधिय पादपों के महत्व पर विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कविता शर्मा ने पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल बताई। कार्यक्रम में डॉ गजा नन्द शर्मा, मुकेश कुमार प्रजापत, राजकुमार झाकल, डॉ सुनिता मीणा, डॉ प्रभाकर दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

सरदारशहर। विश्व पर्यावरण दिवस पर आईएएसई डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के शिक्षा संकाय के श्रमदान उद्यान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण किया गया। जिसमें उद्यान में फलों के पेड़ लगाए गए। जिनमें जामुन, आम, अर्जुन आदि के पेड़ लगाए गए। इस अवसर पर प्रो वीके स्वामी अधिष्ठाता फार्मेसी संकाय, डॉ पूराराम मेघवाल अधिष्ठाता शिक्षा संकाय, डॉ कैलाश पारीक अधिष्ठाता कला व सामाजिक विज्ञान संकाय एवं समस्त प्राध्यापकगण व प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता की। विश्वविद्यालय से संदीप सैनी, गणेश स्वामी, नारायण, सुनील भाट आदि ने सहभागिता की। पौधारोपण प्रभारी डॉ प्रवीण शर्मा ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रो स्वामी ने कहा हमें पौधा लगाकर भूलना नहीं है। उसकी देखभाल करके वटवृक्ष बनाना है। तभी पर्यावरण दिवस की सफलता होगी। डॉ कैलाश पारीक ने बताया कि हम पर्यावरण को अनेक तरीकों से बचा सकते है। जिनमें प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करना, एयर कंडीशनर गाड़ियों एवं पर्यावरण को नुकसान पंहुचाने वाली हर वस्तु का कम से कम प्रयोग करना शामिल है। डॉ पूराराम मेघवाल ने भी प्रशिक्षणार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि भावी शिक्षक भविष्य निर्माता है। उन्हे स्वयं तो पर्यावरण बचाना है। साथ ही नवीन पीढ़ी के बच्चों को भी इसका परिचय करवाना है और इस प्रकार के कार्य करवाने है। जिससे पर्यावरण को लाभ हो। सभी ने लगाए गए पौधो की देखभाल करने का संकल्प लिया।

धौलपुर गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" का उत्सवमयी जिला स्तरीय शुभारंभ जिला प्रभारी सचिव पी रमेश के मुख्य आतिथ्य में तालाब ए शाही के तट पर हुआ। प्रभारी सचिव ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल पूजन तथा कलश पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी सचिव पी रमेश ने प्रदेश भर में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को प्रदेश के लिए सर्वोपरि जरूरत बताया और कहा कि इससे जल संरक्षण के प्रति व्यापक चेतना का संचार होगा। उन्होंने आमजन को इस अभियान में अधिक से अधिक भागीदारी निभाने का आह्वान किया। अभियान को आशातीत सफल बनाने के लिए समर्पित सहभागिता अदा करने पूरे मन से आगे आएं और धौलपुर में जल संरक्षण का सुनहरा इतिहास कायम करें। इस अभियान से जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन और इनकी साफ-सफाई को सम्बल प्राप्त होगा। इस अवसर पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने कहा कि जल एक अहम संसाधन है। हमें बस जल निकायों का संरक्षण करना है, जल स्वयं इन स्रोतों में संरक्षित हो जाएगा। यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक मजबूत संकल्प है। उन्होंने जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संग्रहण को प्रोत्साहन, पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण को जीवन शैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष शुरू किया गया "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान अत्यंत सफल रहा, जिसके तहत राज्य भर में 7 करोड़ पौधे लगाए गए। इस वर्ष हरियालो राजस्थान के संकल्प को और अधिक विस्तारित करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें बचाने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ ने इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने अभियान को जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह अभियान आमजन की भागेदारी से जल स्रोतों को संरक्षित एवं पुनजीर्वित करने में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा। कार्यक्रम के समापन के साथ जिला प्रभारी सचिव, जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, सीईओ जिला परिषद, उप वन संरक्षक वी चेतन कुमार सहित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने तालाबशाही तट पर पौधारोपण कर पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ का संदेश भी दिया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में जल एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं प्रदूषण मुक्त परिवेश के लिए संदेश दिए गए। कार्यक्रम से पूर्व शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण पर निबंध, कविता एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित कराई। इस अवसर पर प्रभारी सचिव सहित जिला कलक्टर ने श्एक पेड़ मां के नामश् अभियान के तहत मातृशक्ति को तुलसी के पौधे भेंट किए गए, ताकि वे अपने परिवार और समाज में हरियाली एवं समृद्धि का संदेश प्रसारित करें। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले के सभी ब्लॉक व ग्राम पंचायतों पर भी कलश यात्रा व जल स्त्रोतों के पूजन, पौधारोपण, सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। इस अवसर पर एसडीएम बाड़ी भगवत शरण त्यागी, पूर्व एमएलए सुखराम कोली, भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर, उपाध्यक्ष धीर सिंह जादौन, अभियान के भाजपा जिला संयोजक श्रवण वर्मा, प्रधान पंचायत समिति अजय परमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

धौलपुर न्यू एडीआर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अध्यक्ष स्थाई लोक अदालत सुरेश प्रकाश भट्ट व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रेखा यादव एवं समस्त कर्मचारीगण द्वारा पौधे लगाये गये। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि विकास के साथ दुनियाभर में पर्यावरण को नुकसान भी पहुंचाया जा रहा है। वन और जंगल नष्ट किये जा रहे हैं जिसकी वजह से पूरी दुनिया में प्रदूषण का लेवल बढ़ रहा है एवं सचिव द्वारा बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण को व्यक्ति का मूल अधिकार माना गया है तथा संविधान के अनुच्छेद 51क में पर्यावरण संरक्षण को व्यक्ति का मूल कर्तव्य भी माना गया है और कहा गया है कि भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे और उनका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखे। इस अवसर पर संजय शर्मा, राहुल डंडौतिया, जगदीश सिंह जादौन, राहुल, सुरेन्द्र सिंह, प्रदीप शर्मा, शिवानी, संदीप कुमार, राजबहादुर, रोहित पाराशर, मनीष मीणा, राधे, बनवारी, कप्तान आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

सुजानगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस पर शहर में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण नि. लि. के 132 केवी जीएसएस में 111 पौधे लगाए गए, जिसका शुभारंभ एडीएम मंगलाराम पुनिया ने पौधारोपण कर किया। इस दौरान एडीएम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को सालभर काम करना चाहिए और पेड़ों का संरक्षण करना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा, अधिशाषी अभियंता रामसिंह कोली, पूर्व जिला सांख्यिकी अधिकारी विद्याधर पारीक, राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेशाध्यक्ष धर्मेंद्र कीलक, सहायक अभियंता मुकेश देवड़ा, एसीबीईओ मंजू पंवार, नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच, प्राचार्या अम्बिका स्वामी, गौसेवक मूलचन्द तिवारी, कमल दाधीच, पवन कुदाल, अनिल खुड़िया, तिलोकचंद दूधवाल आदि ने पौधारोपण में भाग लिया। सहायक अभियंता राजेंद्र प्रजापत ने आभार जताया। इसी प्रकार पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन ठरड़ा स्थित शिवालय में किया गया। जिसमें नेता प्रतिपक्ष जय दाधीच, एडवोकेट मनीष दाधीच, पार्षद बाबुलाल कुलदीप, उप नेता रिछपाल बिजारणिया, भंवरलाल समोता, सुरभि पांडे, दीनदयाल पारीक, रेवंतमल पंवार, प्रहलाद जाखड़ वैद्य भंवरलाल शर्मा, श्रवण सिंह, अमित मौसूण, विश्व दीपक काछवाल, बुद्धि प्रकाश सोनी, नरेंद्र गुर्जर, हंसराज नायक, रूपाराम गुलेरिया, कृष्ण कुमार शर्मा, नरेन्द्र दाधीच सहित अनेक भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसी प्रकार तालुका विधिक सेवा समिति द्वारा ग्रीन पार्क में पीएलवी मयंक त्रिवेदी, सीता देवी, पूजा, भगवती, सुमन आदि ने पौधारोपण किया। इसी प्रकार नगरपरिषद सुजानगढ़ की ओर से भी जल संरक्षण अभियान संकल्प और जागरूकता रैली निकाली गई और नाथोतालाब स्थित ग्रीन स्पेस पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक अभियंता चारवी, राजस्व निरीक्षक मुनालाल मीणा, कनिष्ठ अभियंता कमलेश सांखुनिया, भूतेंद्रसिंह, यतेंद्रसिंह सहित नगरपरिषद के स्टाफ ने भाग लिया। लोगों से कपड़े के थेले अपनाने और प्लास्टिक को त्यागने की अपील की गई। इसी प्रकार प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा में भी एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र प्रभारी बीके सुप्रभा ने पेड़ पौधो का महतव बताया। कार्यक्रम में बाबूलाल जोशी, रामाकिशन जांगिड़, लक्ष्मी नारायण सोनी, राजकुमार प्रजापत, बीके दीपिका, गिन्नी देवी, मोहिनी देवी मन्नू देवी, अलका पारीक, गीता प्रजापत आदि ने भाग लिया।

सुजानगढ़। उपखंड प्रशासन की ओर से ब्लॉक स्तरीय वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की भव्य शुरुआत गोपालपुरा पंचायत से की गई। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए एडीएम मंगलाराम पुनिया ने कहा कि जल प्रकृति का अनुपम खजाना है। जिसे अगली पीढ़ी के लिए बचाते हुए खर्च करना पड़ेगा। एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा ने जल संरक्षण की हरीतिमा ढ़ाणी में लोगों को शपथ दिलाते हुए कहा कि पुरातन पद्धतियों को फिर से अपनाने की जरूरत है। सरकार जन जागृति के इस पखवाड़े में यही समझाना चाहती है कि जल संरक्षण जीवन के लिए आवश्यक है। विकास अधिकारी रवि कुमार ने महाभारत की भीष्म पितामह, शांतनु एवं गंगा मैया की कहानी बताते हुए जल बचाने की अपील की। विकास अधिकारी ने कहा कि पुरानी कहावत -घी ढुळ, तो म्हारो कीं कोनी जावे, पाणी ढुळ तो म्हारो जी बळ... को जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। प्रशासक सविता राठी ने कहा कि धरती हमारा परिंडा है। हम महिलाएं इसका महत्व जानती हैं, जिसको आने वाली सदियों के लिए भरा हुआ रखना अति आवश्यक है। इस अवसर पर राजीविका के बीपीएम हरकेश प्रजापत, पवन, सीबीईओ सुनीता पुनिया, तहसीलदार राजू देवी, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर का स्वागत पीईओ केसरी सिंह, उपसरपंच गणपत दास स्वामी, प्रकाश स्वामी, दीपचंद गिलड़ा, कवि हरिराम, विक्रम पांच, तिलोकाराम, कैलाश पूर्व पंच, बजरंग सिंह, भागूसिंह, बीजा राम सारण ने किया। व्यवस्थाओं को बनाने में राकेश, एलडीसी ज्योति कच्छावा, विडीओ भंवरसिंह, भंवरलाल मेघवाल, संतोष नाई, संदीप लाहोटी आदि ने सहयोग दिया। शुरुआत पंडित कन्हैयालाल की ओर से बुढ़िया बालाजी की पूजा व जोत करके की गई। तत्पश्चात सैंकड़ों महिलाओं की ओर से जोश के साथ कलश यात्रा निकाली गई। महिलाओं की ओर से पेड़ो को राखी बांधकर भाई भी बनाया गया। रामदेवरा के पास और नायक मोहल्ले के अवैध शराब ठेके की ब्रांच की ग्रामीणों की ओर से प्रशासन के पास शिकायत की गई।

पावटा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारती पीजी कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में कॉलेज परिवार ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और दर्जनों पौधे रोपे।कॉलेज के निदेशक कमल यादव ने इस अवसर पर कहा कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी केवल एक दिन की नहीं, बल्कि यह सतत प्रयासों का विषय है। यह पौधारोपण सिर्फ एक शुरुआत है, इसे नियमित अभियान के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा।कार्यक्रम में उपप्राचार्य मुकेश कुमार यादव, रवि कुमार सैनी, सोमवीर मीणा, जितेंद्र प्रजापत, बलराज सिंह शेखावत, हेमराज यादव, उर्मिला देवी सहित कॉलेज के स्टाफ व छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के छायादार व औषधीय पौधे लगाए। इस अवसर पर पर्यावरण की उपयोगिता, जलवायु परिवर्तन, और हरित क्रांति जैसे विषयों पर जागरूकता भाषण भी आयोजित किए गए। छात्रों ने स्लोगन पोस्टर और नारे लगाकर जनमानस को हरियाली की ओर प्रेरित किया।कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पौधे लगाना था, बल्कि युवाओं में प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी था। कॉलेज प्रशासन ने यह भी संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख की जाएगी।

रतननगर। नगरपालिका रतननगर की ओर से प्रभात फेरी निकाली गई और आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। प्रभात फेरी को सम्बोधित करते हुए नगरपालिका के कार्यवाहक अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार ने कहा कि वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में आमजन की भी सहभागिता सुनिश्चित हो तभी यह अभियान सफल हो पाएगा। उन्होनें कहा कि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ आमजन भी अपने घर और आसपास में पौधरोपण करे ताकि वर्षात के पानी का सही व समुचित उपयोग भी हो सकें। प्रभात रैली के पश्चात विश्व पर्यावरण दिवस पर नगरपालिका के अग्निशमन केन्द्र में वृक्षारोपण किया गया साथ ही सफाई निरीक्षक को इसके रख-रखाव की जिम्मेदारी भी दी गई। इस दौरान कनिष्ठ सहायक मनोहर सिंह, शंकरलाल पूनियां, पीआरओ किशनलाल उपाध्याय, सफाई निरीक्षक पुरूषोतमलाल, अमित कुदाल, राजाराम यादव, चिरंजीव सैनी, विकास भाटिया, आशुतोष, कृष्ण सिंह, होमेन्द्र सिंह, रमेश कुमार, मोनिका, दीपिका, दीपचंद आदि उपस्थित रहें।

चूरू। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर अमन ट्रस्ट के अध्यक्ष उस्मान अन्सारी ने कहा कि पेड़ पौधे हमारे जीवन मे महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं इनसे पृथ्वी का ऋतू चक्र बना रहता हैं, ऋतु चक्र को संतुलित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना अनिवार्य हैं। पीसीसी सचिव रियाजत खान ने कहा की पौधरोपण से ही स्वच्छ वातावरण की कल्पना की जा सकती हैं इसलिय हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए। पीसीसी की ओर से बीकानेर सम्भाग प्रभारी एडवोकेट सद्दाम हुसैन ने कहा कि हमारे लिए अत्यंत आवश्यक हैं कि दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे प्रदूषण को रोकने के उपायों में से पौधारोपण भी एक उपाय है। वृक्षारोपण होने से प्रकृति का सौंदर्य भी बढ़ता है और अनेक मनुष्य सहित सभी जीवों को भी लाभ पहुंचता। इस मौके पर सुरेश प्रजापत, इमरान अंसारी, श्रवन प्रजापत, आवेश अंसारी, इब्राहिम चेजारा, इदरिश छीम्पा, रमेश सेन, शाकिब चेजारा, सिकंदर छीम्पा, याकूब चेजारा , रेहान , अब्दुला अंसारी, सना अंसारी , सुम्मय्या अंसारी आएशा अंसारी इत्यादि उपस्थित रहे।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
6 जून, 2025

टॉप रहने पर मुस्कान का स्वागत

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निसं.)। अग्रवाल समाज की मुस्कान कंदोई के कक्षा दसवीं में 95.83 अंक प्राप्त कर कस्बे में टॉप रहने पर समाज व परिवार की ओर से मुस्कान को घोड़ी पर बैठाकर रैली निकाली गई। इस दौरान टांटिया धर्मशाला में व्यापार मंडल अध्यक्ष शिव कुमार अग्रवाल, नारायण प्रसाद कंदोई, परमेश्वर कंदोई, रमेश टांटिया, प्रकाश पंसारी, सुशील कंदोई, कन्हैया लाल चौधरी आदि ने मुस्कान का माला पहनाकर स्वागत किया। वक्ताओ ने कहा कि मुस्कान ने कस्बे को गौरवान्वित किया है। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

भूमि का रिकॉड व नक्शों में एकरूपता लाने को लेकर पर्चा वितरण शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। तहसील के 73 राजस्व ग्रामों गांवों में भू प्रबंध विभाग सीकर की ओर से भूमि का रिकॉड व नकसो में एक रूपता लाने और ऑनलाइन करने को लेकर पर्चा वितरण शिविर लगाया गया। तहसीलदार साक्षी पूरी ने बताया कि यह डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉड आधुनिकरण कार्यक्रम केंद्र सरकार की फ्लेकशिफ योजना है। जिसके तहत पर्चा वितरण कार्यक्रम शिविर प्रथन चरण 6 मई को सांडवा के 7 ग्रामों से शुरू किया गया था। वही राजस्व ग्राम गोन्दुसर के ग्वाड़ में शिविर लगाकर पर्चे वितरण किए जा रहे हैं। 9 जून से 13 जून राजस्व ग्राम भोम सडू तथा सडू छोटी के पंचायत भवन में शिविर लगाकर किया जाएगा। 16 से 20 जून राजस्व ग्राम सोनियासर के ग्वाड़ में शिविर लगाया जाएगा। डीआईएलाराइम्पी के प्रभारी चेनसिंह ने बताया कि पर्चा नोटिस में भूमि सर्वे से पूर्व व बाद कि स्थिति की संपूर्ण जानकारी खातेदार को पर्चे में दी जाती है। नए भूमि विवरण में किसी प्रकार की आपत्ति एक माह के भीतर तहसील कार्यालय में दर्ज करा सकते हैं। कार्यक्रम में पटवारी अनुभव वर्मा, दीपक पंवार, अरुण सांखला, याकूब अली आदि उपस्थित रहे।

गंगा माता मंदिर में पूजा-अर्चना व महाआरती

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के सब्जी मंडी स्थित गंगा माता मंदिर में गंगा दशहरे के पावन अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान समाजसेवी रामलाल मिश्र ने अपनी धर्मपत्नि पूर्व पार्षद इंदिरा शर्मा के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धापूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में पं. राजकुमार शर्मा द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं महाआरती संपन्न कराई गई। आयोजन के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर विनोद मिश्र, महेश मिश्र, राजकुमार शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने मां गंगा से प्रदेश में सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन, ममता बनर्जी का फूंका पुतला

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ भगवा रक्षा वाहिनी की ओर से पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की ओर से शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार किए जाने का विरोध किया गया। शहर के घंटाघर के पास बुधवार रात को भगवा रक्षा वाहिनी की ओर से भगवा रक्षा वाहिनी अध्यक्ष जय शंकर पुजारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंक कर शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मौजूद लोगो की ओर से ममता बनर्जी मुर्दाबाद के नारे लगाए गए एवं शर्मिष्ठा पनोली की रिहाई की मांग की गई। इस मौके पर भगवा रक्षा वाहिनी अध्यक्ष जयशंकर पुजारी व भाजपा पार्षद विष्णु शर्मा ने ममता बनर्जी की पश्चिम बंगाल सरकार हमलावर होते हुए भारत सरकार से शर्मिष्ठा की रिहाई की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान भगवा रक्षा वाहिनी अध्यक्ष जयशंकर पुजारी, महामंत्री अमित कुमार जोशी, उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार, नवीन काछवाल, पार्थ शर्मा, पार्षद विष्णु शर्मा खांडल,संरक्षक सुरेश जाजोदिया, शुभकरण पुजारी, प्रवासी श्याम सुंदर पुजारी,रामप्रसाद जड़िया, विनोद सोनी, हिमांशु चोटिया, दिलीप सैनी, सुरेश बोचीवाल,सौरभ जोशी अजय पुजारी, कमल जोशी, काशी शर्मा, मनीष पारीक, बबलू महर्षि सहित भगवा रक्षावाहिनी के कार्यकर्ता व नागरिक मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्काउट की छात्राओं ने किया पौधरोपण

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में नई पेयजल वितरण प्रणाली का कार्य राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना आरयूआईडीपी के तहत किया जा रहा है। इस परियोजना के सामुदायिक जागरूकता व जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत एलएंडटी के सहयोग से आरयूआईडीपी के अधिशाषी अभियंता मनोज कुमार मित्तल व सहायक अभियंता दिनेश कुमार के निर्देशन में गुरुवार को हनुमानगढ़ रोड आरयूआईडीपी कार्यालय परिसर में स्काउट की छात्राओं के साथ पौधरोपण करवाया गया ताकि छात्राएं प्रकृति से जुड़े। साथ ही थीम बीट प्लास्टिक पोल्यूशन के आधार पर छात्राओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उसके बाद एक्सपोजर विजिट कराई गई। विजिट में

छात्राओं ने प्रोजेक्ट से पानी घरों तक कैसे पहुंचेगा, स्केड़ा क्या है, उसके बारे में जानकारी ली। सहायक सामुदायिक विकास अधिकारी विकास शर्मा ने कहा हर साल 5 जून को पूरी दुनिया में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह दिन न सिर्फ प्रकृति के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी की याद दिलाता है। बल्कि हमें पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए जागरूक और प्रेरित भी करता है। सहायक अभियंता दिनेश कुमार ने छात्राओं को बताया की विश्व पर्यावरण दिवस क्यों मनाया जाता है। क्यूंकि विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य न सिर्फ पर्यावरण के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना है। बल्कि लोगों, सरकारों और संगठनों को एकजुट होकर धरती की रक्षा के लिए काम करने की प्रेरणा देना भी है। यह दिन पर्यावरण के प्रति हमारी जागरूकता और जिम्मेदारी को दर्शाता है। एलएनटी के सुरक्षा अधिकारी राकेस साहू ने बताया की इस दिन के माध्यम से हमें यह याद दिलाया जाता है कि पृथ्वी हमारे लिए केवल एक आवास नहीं बल्कि जीवन की नींव है। यदि हम अब इसकी रक्षा नहीं करेंगे तो भविष्य की पीढ़ियों के लिए संकट पैदा कर देंगे। इंजीनियर अरविंद किशोर ने बताया की विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र की ओर से स्टॉकहोम सम्मेलन के दौरान की गई थी। इसका उद्देश्य था पर्यावरण पर वैश्विक चर्चा और जागरूकता की शुरुआत करना। इंजीनियर रुपेस ने विजिट मै पंप हाउस ओर एलिक्ट्रिकल के बारे में जानकारी दी। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाली छात्राओं को मेडल व उपहार देकर सम्मानित किया गया। टॉप टेन आने वाली छात्राओं को स्मृति चिन्ह व सभी छात्राओं को विभाग की तरफ से प्रमाण पत्र व कपड़े का बैग दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम में प्रेमप्रकाश, बालकिशन, रिजवान खान, वासुदेव शर्मा, नरेंद्र सिंह, पूजा एलएंडटी से अर्पण मैथी, भरतसिंह, रोहित, रजनीश, निर्मल, रंजीत, यदु कृष्ण, महिपाल छिम्पा, स्काउट स्टाफ इन्दुवाला वर्मा, ज्योति शर्मा, संतोष स्वामी, चुकी देवी सहित अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

अवैध कॉलोनियों व नगर परिषद क्षेत्र में अवैध निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के गांधी चौक पर तहसील कार्यालय के आगे पिछले 64 दिनों से चीता सेना संगठन के बैनर तले नगर परिषद क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर चीता सेना के अध्यक्ष ओमकार बाली के नेतृत्व में धरना दिया जा रहा है। धरने पर बैठे चीता सेना के प्रमुख ओंकार बाली ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में अवैध कॉलोनी की भरमार चल रही है। अवैध कॉलोनीयों में कॉलोनी को काटने वाले भूमाफियाओं की ओर से लोगों को ठगा जा रहा है। अवैध कॉलोनियों में प्रशासन की कार्रवाई से लोग परेशान है व सरकारी जमीनों पर भूमाफियाओं की ओर से अवैध निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। इसी मांग को लेकर नगर परिषद आयुक्त मगराज डूडी को ज्ञापन देकर तुरंत इन पर रोक लगाने की मांग की गई है। पिछले 64 दिनों से हमारे द्वारा गांधी चौक पर तहसील कार्यालय के आगे धरना दिया जा रहा है। नगर परिषद क्षेत्र की विभिन्न मांगों को लेकर जिसमें बापा सेवा सदन स्कूल को शुरू करवाना, सर्वोदय छात्रावास को शुरू करवाना, रेगर बस्ती की स्कूल को शुरू करवाना सहित अन्य मांगों पर अभी तक प्रशासन की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है।

तहसील कार्यालय के पंजीयन विभाग में अधिकारियों को हटाने की हमारी मांग है। उस पर भी कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। कुछ मांगे हमारी बापा सेवा सदन स्कूल व सर्वोदय छात्रावास जल्द ही शुरू किया जा रहा है। ये अच्छी खुशी की खबर है कि जल्द ही वह शुरू हो जाएगा। ऐसा सुनने में आ रहा है। अधिकारियों की ओर से छात्रावास का निर्माण कार्य भी शुरू किया गया है। जिससे यह लग रहा है कि जल्द ही यह दो हमारी मांगे पूरी होने पर हमें खुशी है। धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी धरना जारी रखने का आह्वान किया। धरने पर चीता सेना के प्रमुख ओंकार बाली, परमेश्वर लाल, मालाराम, इंदरचंद, बाबूलाल, लीलू राम सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधिमण्डल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कांग्रेस नेता हितेष जाखड़ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व यातायात मंत्री प्रेमचंद बैरवा से मिला है। हितेष जाखड़ ने बताया कि उप मुख्यमंत्री से सुजानगढ़ में बस स्टेंड को लेकर चल रहे विवाद को लेकर समस्या के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया और पुराने बस स्टेंड से होकर ही लाडनू की ओर जाने वाली बसों का संचालन किए जाने की मांग की गई है। इस अवसर पर ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें बताया गया है कि लाडनू, डीडवाना, अजमेर, जोधपुर की ओर जाने वाली बसों को सुजानगढ़ के अंदर से होकर संचालित किया जावे। इसी प्रकार कसूंबी, सारंगसर, लुहारा, सांडवा, बम्बू, बैरासर, सारोठिया जीली, मूंधड़ा परावा आदि गांवो की ओर जाने वाली बसों के भी शहर में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है, जिसके कारण ग्रामीणजन परेशान हैं। अतः इन रूटों की बसों को सुजानगढ़ शहर के अंदर से होकर संचालित किया जाए। इस दौरान पार्षद विजय बटेसर, रामनिवास बीड़ियासर, एडवोकेट कपिल शर्मा भी मौजूद रहे। बैरवा ने समस्या के समुचित समाधान का आश्वासन दिया।

जोशी विधि सलाहकार और खींची पैनल अधिवक्ता नियुक्त

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। राज्य सरकार की ओर से नगरीय निकायों में विधि सलाहकारों व पैनल अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई है। निदेशालय, स्थानीय निकाय के निदेशक व विशिष्ट शासन सचिव इंद्रजीत सिंह की ओर से जारी आदेशानुसार लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका में एडवोकेट रामकरण जोशी को विधि सलाहकार और एडवोकेट जयप्रकाश खींची को पैनल अधिवक्ता नियुक्त किया गया है।उक्त नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया व लक्ष्मणगढ़ विधानसभा भाजपा नेता दिनेश जोशी का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया व भाजपा नेता दिनेश जोशी सहित भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने

अधिवक्ता रामकरण जोशी व जयप्रकाश खींची को बधाई दी।नव नियुक्त विधि सलाहकार रामकरण जोशी व पैनल अधिवक्ता जयप्रकाश खींची ने भी राज्य सरकार का आभार प्रकट करते हुए विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

आठ प्रहर हरीनाम संकीर्तन में झूमे श्रद्धालु

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। मांडेता स्थित श्री काशीपुरीश्वर महादेव मंदिर में आठ प्रहर भगवन्नाम संकीर्तन का आयोजन महंत स्वामी कानुपरी महाराज के सानिध्य में किया गया। श्री काशीपुरीश्वर महादेव चेरीटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में करंट बालाजी धाम लाडनू के बजरंग पुरी

महाराज, शीलजती आश्रम के शिवराज जती महाराज, सरलनाथ महाराज, दुजार आश्रम की साध्वी मघी बाई, ढिंगसरी आश्रम की संतोष बाई आदि ने हरीनाम संकीर्तन में भाग लिया। कीर्तन के दौरान भक्तगण कृष्ण दरबार के समक्ष नाचते गाते झूमते रहे और भक्ति भाव का आनंद लिया। कार्यक्रम में गोपाल प्रजापत, शायर कॉमेडी, सुरेंद्र, पवन कुमार, पवन पारीक, बजरंग बोदलिया, लादूसिंह राव, जयपाल ढ़ाका, कैलाश शर्मा, जमनलाल शर्मा, महेंद्रसिंह राठौड़, गुमानसिंह, सोहनलाल शर्मा, पं. उमाकान्त लाटा, कैलाश कंवर, सुलोचना, प्रियंका, गणेशी बुगालिया, ममता बुगालिया आदि भक्तों ने सहयोग किया। दिनभर कीर्तन जारी रहा और भक्तों ने कीर्तन में भाग लेकर पुण्य लाभ कमाया।

जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में कैंसर केयर यूनिट शुरू

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। राज्य सरकार की बजट घोषणा के क्रम में राजकीय जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में कैंसर केयर यूनिट (डे केयर सेंटर) शुरू कर दी गई है । प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ अटल भास्कर ने बताया कि निदेशालय से प्राप्त निर्देशानुसार कैंसर जांच, निदान, उपचार, फॉलोअप किमोथेरेपी व पैलेटिव केयर आदि सुविधाओ के लिए आवश्यक दवाइयो की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए डेडिकेट ओपीडी व बेड रिजर्व कर डे केयर सेंटर यूनिट चालू कर दी गई है। कैंसर केयर यूनिट (डे केयर सेंटर) का नोडल अधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज कुमार को नामित किया गया है , जिनको राज्य सरकार की ओर से तुलसी रिजनल कैंसर सेन्टर, मेडिकल कॉलेज बीकानेर में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। नोडल अधिकारी प्रभारी डॉ मनोज कुमार ने बताया कि प्रारम्भिक अवस्था में पहचान होने पर कैंसर का उपचार संभव है। अतः किसी भी मरीज मे कैंसर के लक्षण पाए जाने पर मरीज को सर्वप्रथम एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर या एसपी मेडिकल कॉलेज

बीकानेर भेजा जाएगा। जहां एक बार इलाज शुरू करने के पश्चात उसका ना केवल फॉलोअप जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में किया जा सकेगा, साथ ही एडवांस स्टेज वाले मरीजों की पेलिएटव केयर भी यहां पर की जा सकेगी। इस प्रकार मरीज को अनावश्यक बार बार जयपुर या बीकानेर नहीं जाना पड़ेगा। इससे मरीज को मानसिक, शारीरिक व आर्थिक रूप से राहत मिलेगी। इस अवसर पर उपनियंत्रक डॉ शीशराम चौधरी, डे केयर सेंटर नर्सिंग प्रभारी मोहन खींची आदि उपस्थित रहे।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ

जयपुर टाइम्स

कांवट(निस)। गायत्री जयंती उत्सव पर शक्तिपीठ परिसर में पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ व जन्मदिन संस्कार निर्माण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें यजमान श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चारण कर यज्ञ में आहुतियां दी। गायत्री शक्तिपीठ के परिवाचक ने क्रमबद्ध विधिवत पूजन कर कार्यक्रम सम्पन्न कराया। इस अवसर पर आस पास के दर्जनों उपासकों ने गायत्री जयंती पर श्रद्धा भावना व्यक्त कर उपासना की।

बाल भारती इंटरनल में होनहारों का सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय बाल भारती इंटरनल उच्च माध्यमिक विद्यालय में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हासिल करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा 5, 8, 10, 12 के होनहार सम्मानित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी गिरधर शर्मा रहे। जबकि अतिथि के रूप में प्रमिला तिवाड़ी, स्नेहप्रभा मिश्रा, मंजू भार्गव, महेश तंवर, लक्ष्मणराम खिलेरी, चुन्नीलाल मण्डा, हेतराम सैनी, बनवारीलाल खिचड़, पृथ्वीराज दर्जी मौजूद रहे। होनहार छात्र-छात्राओं का मुंह मीठा करवाया गया और माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। संस्था निदेशक नोपाराम मंडा, प्रधानाचार्या मैना जानू, अंग्रेजी माध्यम प्रधानाचार्या रचना जांगिड़, ब्लूमिंग माइंडस की प्रधानाचार्या प्रीति जांगिड़, प्राथमिक विभाग प्रभारी मीरा जाखड़ आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। नोपाराम मंडा ने आभार व्यक्त किया।

गायत्री शक्ति पीठ में 24 कुंडीय यज्ञ का आयोजन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। विश्व पर्यावरण दिवस व गायत्री जयंती के पावन अवसर पर गुरुवार को गायत्री शक्ति पीठ, लक्ष्मणगढ़ में 24 कुंडीय विशाल यज्ञ का आयोजन किया गया।उक्त आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज, हरिद्वार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, कार्यक्रम की शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण व पूजन से किया गया, मनोज जालान व सुशील सुरलिया मुख्य यजमान के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रामगोपाल स्वामी ने किया। जिन्होंने श्रद्धालुओं को यज्ञ की आध्यात्मिक व वैज्ञानिक महत्ता से अवगत कराया। इस अवसर पर सीकर के महावीर वेद, निरंजन पारीक व पवन कचौलिया

मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने पर्यावरण रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम के पश्चात प्रसाद वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम व सत्संग का भी आयोजन हुआ। आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

दुर्घटना बीमा क्लेम के 50 लाख रुपए का सौंपा चैक

जयपुर टाइम्स

कांवट(निस)। पंजाब नैशनल बैंक शाखा कांवट ने ग्राहक उपभोक्ता की दुर्घटना में मृत्यु होने पर मृतक के आश्रितों को 50 लाख रुपए का चैक भुगतान किया। शाखा प्रबंधक रविन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि बैंक के ग्राहक भागीरथ मल यादव पुत्र श्योदान राम यादव निवासी ढाणी अहिरान रूपपुरा, थोई का निधन एक सड़क दुर्घटना में हो गया था। जिनका पीएनबी बैंक शाखा कांवट की ओर से पीएनबी रक्षक स्कीम में बीमा बनाया हुआ था। बीमा स्कीम के नियमानुसार ग्राहक की दुर्घटना पर मृत्यु होने पर आश्रितों 50 लाख का सड़क दुर्घटना बीमा मृतक के आश्रितों सुरेश कुमार यादव व अशोक कुमार

यादव को उपमंडल प्रमुख विमल शर्मा शाखा प्रबंधक रविंद्र कुमार शर्मा व सहायक पिंटू कुमार गढ़वाल की ओर से 50 लाख का चेक भेंट कर भुगतान किया गया।

राजलदेसर थाने को मिला नया वाहन, पुलिस को मिलेगी मदद

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में पुलिस थाना में जिला पुलीस अधिक्षक जय यादव आईपीएस की ओर से राजलदेसर थाना में नया वाहन आवंटित किया। नया वाहन आने पर थानाधिकारी कमलेश कुमार ने विधिवत पूजा अर्चना की। थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि पुराने वाहन से काफी समस्या का सामना करना पड़ता था। नया वाहन आने से पुलिस को तत्परता से मौके पर पहुचने में मदद मिलेगी। उन्होंने पत्रकारों का भी आभार व्यक्त किया कि पुराने वाहन से हो रही समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया।

प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत आज चूरू आएंगे

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत शुक्रवार को चूरू में वंदे गंगा – जल संरक्षण जन अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री गहलोत शुक्रवार को सवेरे 09 बजे जिला मुख्यालय स्थित सेठाणी जोहड़ पर जल पूजन, दीप प्रज्वलन व श्रमदान के जिला स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। तत्पश्चात सवेरे 10.30 बजे चूरू से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

पंचायत समिति में विकास कार्यों की समीक्षा

बीडीओ ने दी लापरवाही पर कार्यवाही की चेतावनी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर की पंचायत समिति के सभागार में विकास अधिकारी महेंद्र सौंलकी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बीडीओ महेंद्र सौंलकी ने ग्रामीण विकास व पंचायती राज की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, कनिष्ठ तकनीकी सहायक और सहायक विकास अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही सभी शाखाओं के प्रभारी, ग्राम विकास अधिकारी, कनिष्ठ सहायक और जीआरएस भी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में महात्मा गांधी नरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन की प्रगति पर चर्चा की गई। एमएलए/एमपी मद, राज्य वित्त आयोग, केंद्रीय वित्त आयोग और प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना की समीक्षा भी की गई। राजस्थान संपर्क योजना के तहत होने वाले कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में लेखाधिकारी निरंजन पारीक, अंजुमन भाट, रूपसिंह राजवी, मुखराम भांभू, सीपी पारीक, दलीप, मनोज कुमार, हरलाल, महेंद्र सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

डोटासरा ने इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर में की पूजा-अर्चना, विधायक अनिल शर्मा के नेतृत्व में किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जयपुर से श्रीगंगानगर के करणपुर की यात्रा के दौरान सरदारशहर में रुककर इच्छापूर्ण बालाजी महाराज के मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर कांग्रेस विधायक अनिल शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य ताराचंद सारण के नेतृत्व में अशोक स्तंभ तारानगर सर्किल पर भी कार्यकर्ताओं ने स्वागत समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर डोटासरा ने वर्तमान राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में पर्ची की सरकार निष्क्रिय है। किसान, मजदूर और कमजोर वर्ग का शोषण हो रहा है। बढ़ती महंगाई से आम आदमी परेशान है।किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी का भी स्वागत किया गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष इंद्राज खीचड़, उप सभापति अब्दुल रशीद चायल, देहात अध्यक्ष दुर्गाराम पारीक, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र सिंह राजवी मौजूद रहे। अशोक स्तंभ तारानगर सर्किल पर ओमकार बाली, मस्तान जिंद्रान और सुरेश पारीक सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी स्वागत में भाग लिया।

प्रधान संतोष मेघवाल ने सीएससी विस्तार भवन का किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। प्रधान संतोष मेघवाल ने गुरुवार को राजकीय टांटिया समुदाय स्वास्थ्य केन्द्र के नव निर्माण विस्तार भवन में निर्माण कार्य में लापरवाही की खबर प्रकाशित होने के बाद भवन का निरक्षण किया। निरीक्षण दौरान भवन की छत की टाइल्स में गेप व ऊपर से उठी हुई मिली। अस्पताल परिसर में पानी निकासी कोई भी जगह नही पाई। भवन में बीच में जगह होने, छत टपकना व सीलन मिली। प्रधान मेघवाल ने सीएमएचओ मनोज शर्मा से फोन पर बात कर भवन निर्माण में की गई लापरवाही के बारे मे बताया तो सीएचएमओ शर्मा ने एनआरएचएम डिपार्टमेंट के अधिकारियों को भेज कर जांच करवाने को कहा। सीएचसी अधिकारी डॉ राजेंद्र घोशल्या ने अस्पताल में पहले बनी मोर्चरी छोटी व सुविधा न होने के कारण पुन निर्माण कराने व छत पर ऑपरेशन थिएटर के पास रेप बनाने वह चिकित्सकों के क्वार्टर बनाने की मांग की। निरीक्षण के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश सोनी पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण तिवारी, संच्चया लाल बेद, पार्षद ललित माली, सुभाष तेजस्वी, कमल माली, मांगीलाल प्रजापत आदि साथ मौजूद रहे।

प्रकृति और जल संरक्षण से पीढ़ी को दें सुरक्षित भविष्य : सहारण

जिले में 'वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान' का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान का गुरुवार को जिले की रतनगढ़ ब्लॉक की जांदवा ग्राम पंचायत के मोलीसर छोटा में ढाणी बीका स्थित भूलाना जोहड़ का लोकार्पण के साथ शुभारंभ हुआ। शुभारंभ कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, प्रधान मोहनी देवी खीचड़, सीईओ श्वेता कोचर, एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, सरपंच कमला खीचड़, पंचायत समिति सदस्य हिमानी खीचड़ जनप्रतिनिधि, अधिकारियों ने शिरकत की और जोहड़ का लोकार्पण किया तथा पौधरोपण व कलश यात्रा से जल पूजन किया। महिलाओं ने मंगलाचार गाए। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि प्रकृति और जल संरक्षण से पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य दें। हम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप हर घर - हर व्यक्ति जल संरक्षण का संकल्प लें। हमें अपने घरों में कुण्ड, टांकों के निर्माण से ही जल संचय का संकल्प लेकर प्रतिबद्धता दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि हमने जल संसाधनों के बहुतायत में दोहन से मानवता को काफी नुकसान पहुंचाया है। यदि हमारी लापरवाही से पानी समाप्त होगा तो आने वाली पीढ़िया हमें कोसेंगी। इसलिए हम कृषि, दैनिक गतिविधियों व विभिन्न कार्यों में जल का मितव्ययता से उपयोग करें और भावी पीढ़ी के लिए जल संरक्षण का प्रण लें। जिला प्रमुख वंदना आर्य ने कहा कि वातावरण व मनुष्य में आपसी सामंजस्य जरूरी है। पर्यावरण की सुरक्षा से ही मानवता जीवित रह सकेगी। इसलिए हम अधिकाधिक पौधे लगाए, जल बचाएं और नई पीढ़ी के लिए समृद्ध प्राकृतिक संपदा विरासत में दें। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि हमें जल संरक्षण का महत्व समझना होगा। हमारी सभ्यताएं जल संरचनाओं के नजदीक होने से ही विकसित हुई थी। कालांतर में जल के अभाव में विभिन्न सभ्यताएं मिट गईं। हमें वर्तमान में जल संरक्षण के लिए गंभीर होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाले पखवाड़े में होने वाली गतिविधियों में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो। जिला कलक्टर ने उपस्थितों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया। सीईओ श्वेता कोचर ने जल संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने, अभियान अंतर्गत विकास कार्यों व पौधरोपण की बात कही। सरपंच कमला खीचड़ ने ग्राम पंचायत में विकास कार्यों की जानकारी दी। वाटरशेड एसई मजहर हुसैन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अतिथियों ने पौधरोपण किया और भूलाना जोहड़ का लोकार्पण किया। महिलाओं ने मंगलाचार गाते हुए कलश यात्रा निकाली और जल पूजन किया। इस दौरान एसीईओ दुर्गा ढाका, तहसीलदार सज्जन कुमार लाटा, बीडीओ जगदीश व्यास, सीबीईओ संदीप व्यास, प्रधानाचार्य मोहन सोनी, शिवानी भटनागर, गिरधारी खीचड़ सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी व आमजन उपस्थित रहे। संचालन नंदलाल ईशराण ने किया।

विद्यालय का किया अवलोकन

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का अवलोकन कर व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने विद्यालय में लाइब्रेरी व्यवस्था, नामांकन, पौधशाला विकास, जल निकासी, कक्षा–कक्षों व अध्ययन शिक्षण गतिविधियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय में करवाए गए विकास कार्यों की सराहना की। प्रधानाचार्य मोहन सोनी ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी तथा सरपंच कमला खीचड़ ने विकास कार्यों से अवगत करवाया। इस दौरान तहसीलदार सज्जन कुमार लाटा, पंचायत समिति सदस्य हिमानी खीचड़, गिरधारी लाल खीचड़, नंदलाल ईशराण भी उपस्थित रहे।

नशीली दवाओं की तस्करी के दो और आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। चूरू जिले में नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में पुलिस ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारियां 17 अप्रैल को पकड़े गए मुख्य आरोपी मुमताज अली से मिली जानकारी के आधार पर की गई हैं।

अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ विशेष अभियान

पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशानुसार, अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रतनगढ़ पुलिस ने 17 अप्रैल, 2025 को मेगा हाईवे पर रोडवेज बस स्टैंड, पडीहारा के पास से मुमताज अली (पुत्र रोशन अली मणियार, उम्र 30 वर्ष, निवासी पडीहारा, चुरू) को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 11,800 नशीली ट्रामाडोल और एल्प्राजोलम टैबलेट जब्त की गई थीं। मुमताज अली ने पूछताछ में बताया था कि उसने ये टैबलेट सरदारशहर से विकास सहारण से ली थीं और इन्हें आगे चुरू में अजय प्रकाश शर्मा को देना था। मुमताज अली को पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

दो और गिरफ्तारियां

पुलिस ने मुमताज अली की ओर से बताए गए दोनों आरोपियों, विकास सहारण और अजय प्रकाश शर्मा को चूरू जिला जेल से प्रोडक्शन वारंट पर प्राप्त कर गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद उनके खिलाफ भी जुर्म साबित पाया गया।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण

विकास सहारण पुत्र हेतराम सहारण जाट, उम्र 29 साल, निवासी प्रसाद कॉलोनी, बीकानेर, हाल बंधनाऊ, तहसील सरदारशहर, विकास सहारण पहले भी सरदारशहर पुलिस थाने में व्यावसायिक मात्रा में नशीली टैबलेट के साथ गिरफ्तार हो चुका है। वही अजय प्रकाश शर्मा पुत्र संतोष कुमार शर्मा, उम्र 42 साल, निवासी वार्ड नंबर 26, पुराना पोस्ट ऑफिस के सामने वाली गली, चूरू, पुलिस थाना कोतवाली अजय प्रकाश शर्मा भी पहले कोतवाली चुरू पुलिस थाने में व्यावसायिक मात्रा में नशीली टैबलेट के साथ गिरफ्तार हो चुका है। पुलिस के अनुसार, ये तीनों व्यक्ति शातिर अपराधी हैं और मिलकर मादक पदार्थ घटक युक्त नशीली टैबलेट की तस्करी करते हैं। ये युवा पीढ़ी को नशे की लत में धकेलने का काम कर रहे हैं। पुलिस अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगी।

बाजारों में धडल्ले से बिक रहें है नकली बीज और खाद, कार्रवाई की मांग

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। केंद्र सरकार की ओर से खाद में अनुदान कम करने के बाद बाजारों में खाद की किल्लत छा गई। इसको लेकर भारतीय किसान यूनियन चूरू के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग ने बताया कि पिछले कुछ समय से खाद में अनुदान की कमी के चलते बहुत सी फैक्ट्रियाँ जैविक खाद बनाने का लाईसेंस सरकार से लेकर नकली खाद और बीज का व्यापार धड़ल्ले से कर रही है। सरकार के संरक्षण प्राप्त लोग काफी समय से नकली बीज, खाद और उर्वरकों से खेती- किसानी को बड़े रूप से नष्ट करते आ रहे हैं। सिहाग ने बताया कि जिस प्रकार सरकार के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने स्वयं जाकर नकली बीज, खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर छापा डाला है, जो कारोबार सरकार की नाक के नीचे चल रहा है। इससे बड़ा अपराध और क्या हो सकता है। किसान यूनियन के माध्यम से उन्होंने सरकार को पत्र लिखकर खाद पर अनुदान बढ़ाने और नकली बीज और खाद बनाकर किसान जगत को नुकसान पहुँचाने वाली कम्पनियों और फैक्ट्रियों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की और विधानसभा में विधेयक लाकर इनके खिलाफ सख्त कानून बनाने की आवश्यकता जताई है।

निरामया राजस्थान खाद्य सुरक्षा अभियानः चूरू में 6 नमूने लिए

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले में निरामया राजस्थान अभियान के तहत 7 जून विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस तक खाद्य सुरक्षा का विषेश अभियान चलाया जाएगा। सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि निरामया राजस्थान अभियान के तहत जून माह की थीम खाद्य सुरक्षा रखी गई है। जून माह के प्रथम सप्ताह में विषेश अभियान चलाया जा रहा है। स्ट्रीट वेडर का निरीक्षण, मॉलस में खाद्य पदार्थों का निरीक्षण, रेलवे स्टेशन, बस स्टेण्ड के आस-पास खाद्य पदार्थ विक्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया। इसके अलावा जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को पौष्टिक व सुरक्षित व संतुलित आहार की जानकारी दी गई। खाद्य सुरक्षा निरीक्षक मदन बाजिया ने बताया कि अभियान के तहत गुरुवार को चूरू शहर में मॉल्स मैसर्स- रिलाइन्स रिटेल मार्ट से दाल व जेगरी पाउडर, मैसर्स एयर प्लाजा हॉल्डिंग, चूरू से आचार व किसमिस व मैसर्स रिलाईस मार्ट चूरू से बेसन व घी के कुल 6 नमूने लेकर नमूनो को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भिजवाया गया। 20 किलो ग्राम सब्जी व फल नष्ट करवाए गए। मॉल्स को नियमानुसार संचालित करने व विक्रेताओ को साफ सफाई व गुणवता युक्त खाद्य पदार्थ बेचने के खिलाफ पाबंद किया गया।

जल स्वावलम्बन पखवाड़ा अभियान में जलदाय विभाग ने की विभिन्न गतिविधियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जल स्वावलम्बन पखवाड़ा अभियान अंतर्गत गुरुवार को जलदाय विभाग की ओर से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से गुरुवार को सरदारशहर ब्लॉक के कंवलासर में जल सरंक्षण रैली का आयोजन किया गया व ग्राम में निर्मित भूतल जलाशय की सफाई की गई। इसी के साथ गांव में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र, विद्यालय के पेयजल नमूने जांच के लिए। ग्राम कंवलासर, घड़सीसर, अड़सीसर एवं कीकासर में पेयजल जांच के लिए एफटीके किट का वितरण किया गया। ब्लॉक सुजानगढ के ग्राम गोपालपुरा में हैण्ड पंप व स्वच्छ जलाशय व सालासर में अंजनीमाता पंप हाउस नं. 1 व 3, ग्राम सांडवा में विभागीय कैम्पस स्थित स्वच्छ जलाशय के पेयजल नमूने जांच के लिए। ग्राम सारोठिया के उच्च जलाशय की सफाई का कार्य किया गया। ब्लॉक सादुलपुर के ग्राम चांदगोठी के हैडवर्क्स स्थित स्वच्छ जलाशय, नलकूप व नांवा में स्थित आंगनबाडी, विद्यालय व ग्रामीण के घरों के पेयजल नमूने जांच के लिए। ब्लॉक रतनगढ के ग्राम लोहा व बीनादेसर में नलकूप के पेयजल नमूने जांच के लिए लिए व ग्राम लाछडसर में जल सरंक्षण अभियान चलाया गया। ब्लॉक चूरू के ग्राम सोमासी, रामपुरा बास के नलकूपों, आंगनबाडी एवं घरों के पेयजल नमूने जांच हेतु लिये। ग्राम आसलखेडी व दुधवा मीठा में पेयजल जांच हेतु एफ.टी.के. किट का वितरण किया गया। ब्लॉक तारानगर ग्राम सांत्यू व राजपुरा में जल नमूनों की जांच व एफ.टी.के. किट का वितरण किया गया। तारानगर स्थित रॉ-वॉटर रिर्जववॉयर का जल पूजन किया गया। ग्राम पाबासी के पेयजल के नमूने लिए।

उदयपुर में गुजरात के बिजनेसमैन सहित 2 की मौत

उदयपुर(निसं.) उदयपुर में गुरुवार सुबह हुए एक्सीडेंट में नडियाद (गुजरात) के एक बिजनेसमैन सहित 2 लोगों की मौत हो गई। हादसा उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर सुबह साढ़े पांच बजे हुआ। पुलिस के अनुसार बिजनेसमैन ओमप्रकाश मूंदड़ा (70) पत्नी के साथ चित्तौड़गढ़ की ओर आ रहे थे। टीडी-बारापाल के पास उनकी कार ट्रक में घुस गई। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह खत्म हो गया। घायलों को मुश्किल से बाहर निकाला गया। सीआई दिलीप सिंह ने बताया नडियाद के बर्तन व्यापारी ओमप्रकाश मूंदड़ा और उनके ड्राइवर की दीपक की मौके पर ही मौत हो गई। ओमप्रकाश मूलरुप से राजसमंद के रहने वाले थे। एक्सीडेंट में कार की पिछली सीट पर बैठी बिजनेसमैन की पत्नी घायल हो गई। हालांकि, उनकी हालत ठीक है। हादसा गोवर्धन विलास थाने का है। पुलिस टीम ने मौके पहुंचकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। वहीं, ट्रक को जब्त कर लिया गया है। बिजनेसमैन की पत्नी कैलाश देवी से पुलिस ने परिवार की जानकारी ली। इसके बाद उदयपुर में रहने वाले उनके दामाद पंकज तोषनीवाल व उनकी बेटी को मौके पर बुलाया। पंकज ने बताया कि सास-ससुर चित्तौड़गढ़ में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।